वर्ष-10 अंक-259 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
प्रयागराज, शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024
नगर संस्करण
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
आधुनिक समाचार नेटवर्क
Download From Google Play
Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

मटिया महल सीट बीजेपी के साथ-साथ कांग्रेस भी रही खाली हाथ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। इस बार शोएब ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया, लेकिन आप ने उनके परिवार पर भरोसा जताते हुए बेटे आले मोहम्मद इकबाल को टिकट दिया है। वहीं, आसीम को कांग्रेस ने मटिया महल से टिकट दिया है। मटिया महल विधानसभा क्षेत्र का राजनीतिक परिदृश्य बाकी क्षेत्रों से बिल्कुल अलग है, क्योंकि यहां न तो कांग्रेस और न ही भाजपा का दबदबा कायम हो सका। सात विधानसभा चुनावों में इस क्षेत्र से शोएब इकबाल का वर्चस्व रहा उन्होंने छह बार अलग-अलग दलों के टिकट पर जीत दर्ज की। दिलचस्प बात यह है कि जब उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा, तो उन्हें हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2015 में आप के उम्मीदवार आसीम अहमद खान ने शोएब को हराकर यह सीट अपने नाम की। इस बार शोएब ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया, लेकिन आप ने उनके परिवार पर भरोसा जताते हुए बेटे आले मोहम्मद इकबाल को टिकट दिया है। वहीं, आसीम को कांग्रेस ने मटिया महल से टिकट दिया है। भाजपा ने अब तक उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, लेकिन पिछले प्रदर्शन को देखते हुए वह इस बार जीत की कोशिशों में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मटिया महल की सामाजिक संरचना इसे राजनीतिक रूप से अनूठा बनाती है। यह क्षेत्र मुस्लिम बहुल है, लेकिन हिंदुओं की भी अच्छी खासी उपस्थिति है।

पार्षद प्रियंका गौतम समर्थकों के साथ भाजपा में हुईं शामिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। प्रियंका गौतम ने कहा कि एक नई उम्मीद के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हुई थी। लेकिन वहां जाटव समाज के लिए सम्मान नहीं है। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा की उपस्थिति में आम आदमी पार्टी की घड़ोली से निगम पार्षद प्रियंका गौतम अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुईं। साथ ही दक्षिण दिल्ली से पूर्व पार्षद धर्मवीर सिंह ने भाजपा में वापसी की। इनके अलावा आम आदमी पार्टी की कोंडली विधानसभा की उपाध्यक्ष मालती गौतम, एससी एसटी प्रकोष्ठ के विधानसभा सचिव जुगल किशोर, एससी एसटी वेलफेयर बोर्ड के पूर्व सदस्य सुनील परेला, अनूप शर्मा, जसपाल, अंबेडकर भवन समिति के अध्यक्ष प्रभुदयाल समेत कई नेता भाजपा में शामिल हुए। हर्ष मल्होत्रा ने इस मौके पर कहा कि दिल्ली में एक ऐसे पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हैं जिन्होंने राजनीति में न आने की कसमें खाई थीं और जब राजनीति में आ गए तो बंगला, सुरक्षा और गाड़ी न लेने की कसमें खाई, लेकिन वह सब भूल गए। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के साथ छलावा किया है। पंजाब में सरकार बने दो साल हो गए और आज तक उन्होंने एक रुपया पंजाब की बहनों को नही दिया। प्रियंका गौतम ने कहा कि एक नई उम्मीद के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हुई थी। लेकिन वहां जाटव समाज के लिए सम्मान नहीं है। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष कपिल मिश्रा ने कहा कि आम आदमी पार्टी अपने महिला सम्मान के नाम पर किए फर्जीवाड़े की पोल खुलने से परेशान हैं। जानबूझ कर राष्ट्रीय स्वाभिमान के सेवा कार्य पर आरोप लगा कर विषय भटकाना चाह रही है। इस मौके पर ज्वाइनिंग कमेटी के संयोजक आशीष सूद, मुख्य प्रवक्ता अभय वर्मा उपस्थित रहे।

भागवत के बयान पर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जताई नाराजगी, कहा- हिंदुओं की दुर्दशा नहीं समझते

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। संघ प्रमुख ने पुणे में नए मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उभरने पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने कहा था कि अयोध्या के राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ व्यक्तियों को यह विश्वास हो गया है कि वे ऐसे मुद्दों को उठाकर हिंदुओं के नेताठ बन सकते हैं। इस पर ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि मोहन भागवत हिंदुओं की दुर्दशा नहीं समझते हैं।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के 'मंदिर-मस्जिद' विवाद नहीं उठाने के बयान पर संत भी सवाल उठा रहे हैं। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि मोहन भागवत हिंदुओं की दुर्दशा नहीं समझते हैं। कई हिंदू मंदिर तोड़े जा रहे हैं। यह सच है। लेकिन मोहन भागवत को हिंदुओं का दर्द महसूस नहीं हो रहा है। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मोहन भागवत पर 'राजनीतिक सुविधा' के अनुसार बयान देने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब उन्हें सत्ता प्राप्त करनी थी, तब वह मंदिर-मंदिर करते थे, अब सत्ता मिल गई तो मंदिर नहीं खोजने की नसीहत दे रहे हैं। मोहन भागवत ने दावा किया है कि कुछ लोग नेता बनने के लिए ये मुद्दे उठाते हैं, लेकिन मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि आम हिंदू नेता बनना नहीं चाहते हैं। गौरतलब है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का ये बयान संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयानों पर आया है। संघ प्रमुख ने पुणे में नए मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उभरने पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने कहा था कि अयोध्या के राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ व्यक्तियों को यह विश्वास हो गया है कि वे ऐसे मुद्दों को उठाकर हिंदुओं के नेताठ बन सकते हैं। भागवत के बयान पर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव और कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी सवाल उठाया था।

सहजीवन व्याख्यानमाला में भारत-विश्वगुरु विषय पर बोलते हुए भागवत ने एक समावेशी समाज की आवश्यकता की बात की। उन्होंने कहा कि दुनिया को यह दिखाना चाहिए कि भारत में विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ शांति से रह सकते हैं। राम मंदिर के निर्माण के बारे में उन्होंने कहा कि यह सभी हिंदुओं की आस्था से जुड़ा मामला था। लेकिन अब कुछ लोग नए विवाद उठाकर समाज में तनाव फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, जो स्वीकार्य नहीं है। भागवत ने यह भी कहा कि ऐसे मुद्दे उठाना और समाज में विवाद फैलाना जारी नहीं रह सकता। हाल ही में मंदिरों के सर्वेक्षण के लिए मस्जिदों से जुड़े मामलों की मांग अदालतों में उठी है, लेकिन भागवत ने इस बारे में किसी का नाम नहीं लिया।

सीएम नायडू ने पीएम मोदी समेत इन नेताओं से की मुलाकात, आंध्र प्रदेश की वित्तीय चुनौतियों पर की चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को नई दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान आंध्र प्रदेश की वित्तीय चुनौतियों पर चर्चा की। इसके साथ ही राज्य की प्रमुख परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता मांगी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने राज्य की प्रमुख परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता मांगी। इस दौरान उन्होंने आर्सेलर मित्तल स्टील प्लांट की योजनाओं पर भी चर्चा की। सीएम नायडू ने मुलाकात के दौरान आर्सेलर मित्तल स्टील प्लांट के बारे में, नायडू ने केंद्रीय सहायता की मांग की, खासकर कच्चे माल की आपूर्ति और परियोजना की त्वरित मंजूरी के लिए। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के सीएम नायडू ने पीएम मोदी के साथ 45 मिनट की इस बैठक के दौरान

पोलावरम सिंचाई परियोजना और अमरावती राजधानी शहर के विकास के लिए पहले मिल चुकी वित्तीय सहायता के लिए प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, नायडू ने बताया कि इन दोनों परियोजनाओं पर अब फिर से काम शुरू हो गया है। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने राज्य की वित्तीय स्थिति पर चर्चा की और विभिन्न योजनाओं के लिए धन जारी करने की मांग की। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू के साथ-साथ राज्य के वित्त मंत्री पय्यावुला केसव और केंद्रीय मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू, पेम्मासनी चंद्रशेखर, श्रीनिवास वर्मा और पार्टी के अन्य सांसद भी मौजूद थे। इसके पहले, नायडू ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी समारोह में भाग लिया और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर एनडीए की बैठक में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस्पात मंत्री एचएस कुमारस्वामी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी बातचीत की। सीएम नायडू ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। जिस दौरान उन्होंने राज्य की वित्तीय समस्याओं के बारे में भी चर्चा की, जिसमें पिछली सरकार द्वारा 94 केंद्र प्रायोजित योजनाओं से धन की डायवर्जन की समस्या उठाई। उन्होंने बताया कि इनमें से 74 योजनाओं को अब फिर से शुरू किया गया है। इसके अलावा नायडू ने विशेष सहायता की मांग की, यह कहते हुए कि पिछली सरकार ने तीन साल में पांच साल के राजस्व घाटे के अनुदान को खत्म कर दिया था। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने विकसित भारत कार्यक्रम के तहत राज्य के विकास के लिए एक दस्तावेज भी पेश किया, जिसे ठस्वर्णंध्र विजन-2047ठ कहा जाता है। इसके साथ ही उन्होंने आगामी शिलान्यास समारोहों और परियोजना उद्घाटनों के बारे में भी जानकारी दी।

एमटी बनने में 91 साल लगते हैं! साहित्यकारों के लिएलड़ने वाले योद्धा थे वासुदेवन नायर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। साहित्य अकादमी पुरस्कार, पद्म भूषण और अमर उजाला शब्द सम्मान के सर्वोच्च

अलंकरण 'आकाशदीप' से सम्मानित नायर एमटी के नाम से लोकप्रिय रहे। उनका जाना, मलयालम साहित्य, संस्कृति और फिल्म जगत के लिए आघात है। उन्होंने मलयालम सिनेमा पर भी अमिट छाप छोड़ी।ज्ञानपीठ पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार और अमर उजाला शब्द सम्मान के श्रेष्ठ अलंकरण 'आकाशदीप' से सम्मानित मलयालम के मशहूर साहित्यकार और फिल्मकार एमटी वासुदेवन नायर नहीं रहे। उनका जाना, मलयालम साहित्य, संस्कृति और फिल्म के लिए एक आघात है।एक साहित्यकार के बनने में कितने वर्ष लगते हैं? क्या इस प्रश्न का कोई अर्थ है? कई बार नहीं और कई बार हां! जब एमटी जैसा साहित्यकार साथ छोड़ जाए तो ऐसे सवाल सामने आ ही जाते हैं। मैं तो कहूंगी एमटी जैसा साहित्यकार बनने और उनके जैसी दृष्टि पाने और फिल्मकार बनने के लिए 91 साल लग जाते हैं। मैंने एमटी के ढेर सारे रूप देखे हैं। 50 वर्षों से ज्यादा का साथ रहा। एक लेखक और फिल्मकार के अलावा वे साहित्यकारों के लिए लड़ने वाले एक योद्धा थे। वे लंबे समय तक 'एकेडेमी ऑफ फाइन आर्ट्स एंड लिटरेचर' के वाइस प्रेसीडेंट रहे, जिसकी मैं फांउडर प्रेसीडेंट हूं।वह साहित्य अकादमी के काम के लिए अक्सर दिल्ली आते रहते थे। मैं केरल जाती थी। हमारी आपस में बहुत बनती थी। उन्होंने एक बार साहित्य अकादमी के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव भी लड़ा था। हालांकि जीत नहीं हुई, लेकिन वह तो लोगों के दिलों में जीने वाले इन्सान थे। उनका उपन्यास 'वाराणसी' जिन्होंने पढ़ा है, वे समझ सकते हैं कि लोगों और जिंदगी को देखने का उनका नजरिया कितना पारदर्शी था।आज उनकी एक कहानी मुझे बार-बार याद आ रही है-'अंधेरे की आत्मा'। इस कहानी में जिंदगी की भावनात्मक यात्रा कराते हैं वह। उनकी साहित्यिक यात्रा से अलग उनके एक अन्य काम ने मुझे बहुत प्रभावित किया। वह था 18वीं सदी के कवि थुंचन रामानुजन एजुथाचन के स्मारक निर्माण में उनका योगदान। उनकी लिखी किताब 'रामायणम किलिप्पट्टू' व 'भागवतम किलिप्पट्टू' के महत्व को एमटी समझते थे।

पीएम आज सुपोषित पंचायत अभियान का करेंगे शुभारंभ, भारत मंडपम में वीर बालकों से भी करेंगे मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। पीएम मोदी आज दोपहर 12 बजे भारत मंडपम में वीर बालकों से भी मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही पीएम सुपोषित पंचायत अभियान का शुभारंभ भी करेंगे। पीएम मोदी बृहस्पतिवार को वीर बाल दिवस पर सुपोषित पंचायत अभियान का शुभारंभ करेंगे। इसका उद्देश्य पोषण संबंधी सेवाओं के कार्यान्वयन को सशक्त कर पोषण संबंधी परिणामों में सुधार करना है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पीएम मोदी दोपहर 12 बजे भारत मंडपम में वीर बालकों से भी मुलाकात करेंगे।पीएमओ द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार पीएम मोदी आज भारत मंडपम में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त बच्चों से संवाद करेंगे। इसके साथ ही वे देशभर के बच्चों को संबोधित भी करने वाले है। सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान के शुभारंभ के अवसर पर आज सर्वश्रेष्ठ 10000 ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया जाएगा।

इसका 50ज्ञ् पुरस्कार राशि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकओं और ग्राम पंचायतों को दिया जाएगा। इसके साथ ही बाकी 50ज्ञ् पुरस्कार राशि आंगनवाड़ी केंद्रो में पोषण स्तर पर खर्च करने के लिए दिया जाएगा। बता दें कि इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज पर दोपहर 12 बजे से किया जाएगा। देश के गांवों की शतप्रतिशत संपत्ति अब केवल एक क्लिक की दूरी पर है। 'स्वामित्व' योजना के तहत अब तक 2.19 करोड़ से ज्यादा संपत्तियों के चिह्नीकरण का काम पूरा हो गया है। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को 10 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों के 50 हजार गांवों के 58 लाख से ज्यादा लोगों को ई-वितरण के जरिये स्वामित्व संपत्ति कार्ड सौंपेंगे।इस वर्चुअल कार्यक्रम में 10 राज्यों उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान और 2 केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं। देश में कुल 6 लाख 28 हजार 221 गांव हैं। पंचायती राज मंत्रालय ने 92 फीसदी ड्रोन सर्वे का काम पूरा कर लिया है। यानी इन घरों के नक्शे बनाने का प्राथमिक काम लगभग पूरा हो गया है। देश में 2.19 करोड़ ग्रामीण घरों का डिजिटल डाटा तैयार इसमें 2026 तक सभी गांवों के घरों की मैपिंग हो जाएगी, और घर बैठे केवल एक क्लिक पर संपूर्ण जानकारी हासिल की जा सकेगी। इस मानकीकरण से अब भविष्य में गांवों के घरों से संपत्ति कर लेने में आसानी होगी।

महरौली पुरातत्व पार्क के अंदर के ढांचों का है धार्मिक महत्व, एएसआई ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की रिपोर्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश रिपोर्ट में एएसआई ने कहा कि शेख शहीबुद्दीन की कब्र पर एक शिलालेख कहता है कि इसका

निर्माण वर्ष 1317 ईस्वी में हुआ था। पुनर्स्थापना और संरक्षण के लिए किए गए संरचनात्मक बदलावों ने इस स्थान की ऐतिहासिकता को प्रभावित किया है।भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि महरौली पुरातत्व पार्क के अंदर दो संरचनाएं धार्मिक महत्व रखती हैं, क्योंकि मुस्लिम श्रद्धालु प्रतिदिन आशिक अल्लाह दरगाह और 13वीं शताब्दी के सूफी संत बाबा फरीद की चिल्लागाह पर आते हैं।शीर्ष अदालत के समक्ष पेश रिपोर्ट में, एएसआई ने कहा कि शेख शहीबुद्दीन (आशिक अल्लाह) की कब्र पर एक शिलालेख कहता है कि इसका निर्माण वर्ष 1317 ईस्वी में हुआ था। पुनर्स्थापना और संरक्षण के लिए किए गए संरचनात्मक बदलावों ने इस स्थान की ऐतिहासिकता को प्रभावित किया है।इसके साथ ही एएसआई ने दलील दी कि यह मकबरा पृथ्वीराज चौहान के गढ़ के करीब है और प्राचीन स्मारक व पुरातत्व स्थल एवं अवशेष अधिनियम के तहत 200 मीटर के नियामक क्षेत्र में आता है। इसके अनुसार, किसी भी मरम्मत, नवीनीकरण या निर्माण कार्य को सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से ही किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत जमीर अहमद जुमलाना की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दिल्ली के महरौली पुरातत्व पार्क के अंदर सदियों पुरानी धार्मिक संरचनाओं के संरक्षण की मांग की गई थी, जिसमें 13वीं शताब्दी की आशिक अल्लाह दरगाह (1317 ईस्वी) और बाबा फरीद की चिल्लागाह शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण ने उनकी ऐतिहासिकता का आकलन किए बिना अतिक्रमण हटाने के नाम पर संरचनाओं को ध्वस्त करने की योजना बनाई है। जुमलाना ने 8 फरवरी को दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है।

सार्वजनिक स्थलों के वाई-फाई से अपना ईमेल व नेट बैंकिंग न खोलें विद्यार्थी', बढ़ते साइबर अपराध पर यूजीसी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय साइबर ठगी के खिलाफ अभियान में सभी शिक्षण संस्थानों को शामिल कर रहा है। इसका मकसद विशेषज्ञों की ओर से तैयार साइबर हाईजीन बुकलेट की मदद से विद्यार्थियों को सतर्क करना है। गृह मंत्रालय के निर्देश के तहत

साइबर हाईजीन बुकलेट की मदद से विद्यार्थियों को सतर्क करना है।विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विद्यार्थियों को सार्वजनिक स्थलों के वाई-फाई से ईमेल और नेट बैंकिंग अकाउंट न खोलने की सलाह दी है। आयोग के अनुसार सार्वजनिक स्थलों पर लगे यूएसबी चार्जिंग प्वाइंट से मोबाइल चार्ज करने पर भी अकाउंट हैक हो सकता है।केंद्रीय गृह मंत्रालय साइबर ठगी के खिलाफ अभियान में सभी शिक्षण संस्थानों को शामिल कर रहा है। इसका मकसद विशेषज्ञों की ओर से तैयार साइबर हाईजीन बुकलेट की मदद से विद्यार्थियों को सतर्क करना है। गृह मंत्रालय के निर्देश के तहत यूजीसी ने शिक्षण संस्थानों से विद्यार्थियों को जागरूक करने को कहा है।इसमें कहा गया है कि सभी ईमेल व अटैचमेंट को ध्यान से खोलना चाहिए। मोबाइल या लैपटॉप पर गूगल प्ले स्टोर, एप स्टोर या आधिकारिक वेबसाइट से ही अधिकृत सॉफ्टवेयर अपलोड करें। समय-समय पर अपने मोबाइल या लैपटॉप का सॉफ्टवेयर अपडेट करते रहें। अपनी जरूरी कार्यों की फाइल का समय-समय पर बैकअप लें।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 15 नवप्रवर्तकों से की मुलाकात, युवाओं के अभिनव प्रोजेक्ट्स को सराहा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जमीनी स्तर पर बदलाव लाने वाले 15 युवाओं के एक समूह से मुलाकात

की। मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने युवाओं के अभिनव प्रोजेक्टस को देखा और उसकी सराहनी की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जमीनी स्तर पर बदलाव लाने वाले 15 युवाओं के एक समूह से मुलाकात की। ओडिशा, सिक्किम, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक समेत देश के विभिन्न राज्यों में इन युवाओं के अभिनव प्रोजेक्ट चल रहे हैं। ये नवप्रवर्तक संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से जुड़ी अहम चुनौतियों का समाधान करने के लिए स्थिरता से लेकर समावेशन तक के प्रोजेक्ट पर जनजातीय क्षेत्रों, टियर 2 और टियर 3 शहरों के ग्रामीण समुदायों में काम कर रहे हैं।तेलंगाना निवासी और इंटेलीनेक्सा प्रोजेक्ट की संस्थापक मनल मुनीर (21) ने राष्ट्रपति को ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने और राज्य में कम पहचान वाले स्थानों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एआर/वीआर का इस्तेमाल दिखाया। प्रोजेक्ट दृष्टि के संस्थापक अनिरुद्ध चिंता (16) ने एक सॉफ्टवेयर की प्रस्तुति दी, जो शैक्षणिक पुस्तकों को ब्रेल में परिवर्तित करता है। इस प्रोजेक्ट से मौजूदा समय में 8-10 गैर सरकारी संगठनों को लाभ मिल रहा है।विजन ग्लासेस के संस्थापक आदित्य विक्रम (18) और फगुन भूटानी (14) ने अपने प्रोजेक्ट की प्रस्तुति दी। यह आंखों के हाव-भाव को बोली में परिवर्तित करता है। इससे 2,000 से अधिक बोलने में असमर्थ लोगों को संवाद करने में मदद मिली है। द मोगली मूवमेंट की संस्थापक श्रेया मुथुकुमार (17) ने वन समुदायों को सौर लैंप प्रदान करने और उन्हें स्वच्छ ऊर्जा व पर्यावरण संरक्षण के बारे में शिक्षित करने की अपनी परियोजना के बारे में जानकारी दी।1एम1बी के संस्थापक मानव सुबोध ने कहा कि हम अगली पीढ़ी के नवप्रवर्तकों को उपकरण, मार्गदर्शन और मंच प्रदान कर सशक्त बना रहे हैं, ताकि वे समुदायों का उत्थान कर सकें।

बेलगावी में शुरू होगी कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक, आंबेडकर मुद्दे को लेकर नई रणनीति पर मंथन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। कर्नाटक के बेलगावी

में आज से कांग्रेस की दो दिवसीय बैठक शुरू होने वाली है। इस बैठक में कांग्रेस मुख्य रूप से आंबेडकर मुद्दे को लेकर भाजपा का घेराव करने की रणनीति तैयार करने वाली है। कांग्रेस ने इस बैठक का नाम नव सत्याग्रह बैठक दिया है। आज से कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस की कार्यसमिति की नव सत्याग्रह बैठक होने वाली है। इस दो दिवसीय बैठक में कांग्रेस भाजपा को कई सारी मुद्दों पर घेरने की रणनीति तैयार करने वाली है। इसमें प्रमुख तौर पर आंबेडकर मुद्दे को लेकर भाजपा को घेरने की रणनीति शामिल है। बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र में बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने टिप्पणी थी, जिसके लिए देश की सियासत में गर्माहट बढ़ गई थी। जानकारी के अनुसार कांग्रेस के महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने 24 दिसंबर को कहा था कि बेलगावी में होने जा रही बैठक में डॉ. आंबेडकर के अपमान का मुद्दा जोर-शोर से उठेगा। बेलगावी में 100 साल पहले कांग्रेस के ऐतिहासिक सत्र हुआ था।

ट्रक-कंटेनर बने काल, डीसीएम चालक की मौत, इलाहाबाद विवि छात्रसंघ की पूर्व अध्यक्ष बाल बाल बचीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। गनीमत रही की कार का एयरबैग खुल गया और भीतर बैठी ऋचा सिंह और उनके एक परिजन बाल बाल बच गए। घटना में उन्हें मामूली चोटें आईं। राहगीरों की मदद से उन्हें कार से बाहर निकाला गया। तब तक आरोपी कार्यक्रम में शामिल होकर नैनी से लौट रही थीं। उनकी कार नए यमुना पुल के बीच वाले दो पिलर के पास पहुंची थी कि तभी तेज रफ्तार ट्रक ने दाहिने साइड से उनकी कार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार घिसटते हुए पुल की दूसरी लेन पर चली गई। बाल बाल बच गए लेकिन डीसीएम चालक की मौके पर ही मौत हो गई और उसका शव भीतर ही फंस गया। जबकि टक्कर मारने वाला कंटेनर भी पलट गया जिसमें उसका चालक इंद्रजीत 30 निवासी पलवल हरियाणा जख्मी हो गया।कीडगंज पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कंटेनर

चालक ट्रक लेकर भाग निकला था। सूचना पर कीडगंज पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर ही रही थी कि इसी दौरान बांगड़ चौराहे पर दूसरा हादसा हो गया। रात होते ही सड़कों पर बेकाबू रफ्तार से दौड़ने वाले ट्रक-कंटेनर बुधवार रात काल बन गए। बांगड़ चौराहे पर बेकाबू कंटेनर की टक्कर से चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए जिसमें डीसीएम चालक की मौत हो गई और छह जख्मी हो गए। उधर नए यमुना पुल पर बेकाबू ट्रक ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ की पूर्व अध्यक्ष ऋचा सिंह की कार में टक्कर मार दीं। गनीमत रही कि वह बाल बाल बच गईं। पहला हादसा नए यमुना पुल पर रात करीब 11 बजे हुआ। इविवि छात्र संघ की पूर्व अध्यक्ष ऋचा सिंह निजी गनीमत रही की कार का एयरबैग खुल गया और भीतर बैठी ऋचा सिंह और उनके एक परिजन बाल बाल बच गए। घटना में उन्हें मामूली चोटें आईं। राहगीरों की मदद से उन्हें कार से बाहर निकाला गया। तब तक आरोपी चालक ट्रक लेकर भाग निकला था। सूचना पर कीडगंज पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर ही रही थी कि इसी दौरान बांगड़ चौराहे पर दूसरा हादसा हो गया।यहां बैरहना की ओर से बेकाबू रफ्तार में आए कंटेनर ने आगे चल रहे डीसीएम में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आगे चल रहे तीन अन्य वाहन भी चपेट में आ गए। डीसीएम आगे चल रही पिकअप और पिकअप एक स्कॉर्पियो से जा टकराई। पिकअप और स्कॉर्पियो सवार तो चालक समेत छह लोगों को एसआरएन अस्पताल भेजा, जहां सभी की हालत देखते हुए उन्हें भर्ती कर लिया गया। उधर मृतक डीसीएम चालक की पहचान पप्पू निवासी प्रतापपुर फूलपुर के रूप में हुई है। जबकि घायलों में करन (18), राजपति (45), किशन (25), संजय (50) सभी निवासी फूलपुर और सुनील (25) निवासी होलागढ़ शामिल हैं।घायलों में शामिल करन के चाचा हृदय नारायण ने बताया कि डीसीएम में चालक समेत कल छह लोग सवार थे। यह सभी पल्लेदारी का काम करते हैं और शहर से तेल आदि खाद्य पदार्थ ट्रक में लोड करके अलग-अलग क्षेत्र में पहुंचाते हैं। बुधवार को भी सभी इसीलिए कीडगंज मार्केट में जा रहे थे।

महाकुंभ में बुकिंग के नाम पर हरियाणा से चल रही होटल कान्हा श्याम की फर्जी वेबसाइट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। 16 दिसंबर को होटल कान्हा श्याम के महाप्रबंधक रुपेश कुमार सिंह ने उनके होटल के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाकर बुकिंग करने पर सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज कराया था। मामले की जांच साइबर पुलिस कर रही डोमेन कंपनी को मेल के माध्यम से पूछा था कि उक्त वेबसाइट किस शहर से संचालित हो रही है। साथ ही होस्ट करने वाले के बारे में भी जानकारी मांगी गई थी।बताया गया कि जांच में पुलिस को पता चला है कि यह वेबसाइट हरियाणा के एक शहर से होस्ट की जा रही है।

है।महाकुंभ में शहर के नामी होटल में बुकिंग के नाम पर आए दिन पर्यटकों को ठगी को शिकार बनाया जा रहा है। होटल कान्हा श्याम के नाम से भी चल रही फर्जी वेबसाइट को लेकर साइबर पुलिस को अहम सुराग मिला है। पुलिस की जांच में पता चला है कि यह साइट हरियाणा से ऑपरेट की जा रही है। जल्द ही पुलिस फर्जी वेबसाइट चलाने वाले को गिरफ्तार कर सकती है।16 दिसंबर को होटल कान्हा श्याम के महाप्रबंधक रुपेश कुमार सिंह ने उनके होटल के नाम से फर्जी वेबसाइट बनाकर बुकिंग करने पर सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज कराया था। मामले की जांच साइबर पुलिस कर रही है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने बहरहाल, आरोपी ठग के फरार होने की आशंका पर पुलिस अपराधी का नाम और शहर में बताने में बच रही है। बताया जा रहा है कि जल्द ही मामले में आरोपी की गिरफ्तारी हो सकती है।हैरानी की बात है कि होटल कान्हा श्याम के नाम पर बनी वेबसाइट अभी तक कंप्यूटर में आसानी से खुल रही है। इस पेज में बुकिंग से लेकर होटल संबंधी कई जानकारियां डाली गई है। महाकुंभ में होटल बुकिंग करने पर कोई भी इस वेबसाइट के झांसे में आसानी से फंस सकता है। नवंबर माह में महाकुंभ में टेंट बुकिंग के नाम पर आदि वेबसाइट से ठगी की शिकायत मिलने पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया था।

दक्षिण से जुड़ेगा उत्तर, तिरुवनंतपुरम और कन्याकुमारी से चलेगी महाकुंभ स्पेशल, समय सारिणी जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। महाकुंभ पर देश के सभी दिशाओं से संगमनगरी को जोड़ने वाली ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। दक्षिण भारत के तिरुवनंतपुर और कन्याकुमारी रही है।इसका संचालन कन्याकुमारी से गया और कन्याकुमारी से बनारस के बीच वाया प्रयागराज छिवकी होगा। गाड़ी संख्या 06005 कन्याकुमारी से 06 और 20 जनवरी की रात 8.30 1.30 बजे ट्रेन गया पहुंच जाएगी। वहीं गया से 06022 शुक्रवार 10, 24 जनवरी एवं 07 फरवरी की रात 11.55 बजे चलकर सुबह 8.45-8.50 बजे प्रयागराज छिवकी और सोमवार सुबह 10.15 बजे तिरुवनंतपुरम पहुंच

समेत अन्य प्रमुख स्थानों से प्रयागराज को जोड़ने के लिए मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। रेलवे ने इसकी समय सारिणी भी जारी कर दी है। महाकुंभ का सिर्फ उत्तर भारत ही नहीं, दक्षिण भारत में भी खासा क्रेज है। इसी वजह से दक्षिण भारत के तीन प्रमुख शहरों से प्रयागराज के लिए महाकुंभ सपेशल ट्रेन चलाई जाएगी। इन ट्रेनों का संचालन केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम (कोच्चुवेली), कन्याकुमारी एवं चेन्नई से होगा। इन शहरों से चलने वाली ट्रेनों की समय सारिणी भी रेलवे प्रशासन द्वारा जारी कर दी गई है। देश के दक्षिण छोर का आखिरी स्टेशन कन्याकुमारी से दो महाकुंभ मेला स्पेशल इस बार चलाई जा बजे चलकर चेन्नई इगमोर, विजयवाड़ा, बालाघाट, जबलपुर होते हुए 08 एवं 22 जनवरी की शाम 4.55-5.00 बजे प्रयागराज छिवकी एवं रात 1.30 बजे गया पहुंच जाएगी। इसी तरह गया से 06006 की रवानगी बृहस्पतिवार 09, 23 जनवरी की रात 11.55 बजे चलकर सुबह 8.45-8.50 बजे प्रयागराज छिवकी एवं रविवार सुबह 3.50 बजे कन्याकुमारी पहुंच जाएगी।इसी तरह तिरुवनंतपुरम (कोच्चुवेली) से गया के लिए वीकली महाकुंभ स्पेशल 06021 मंगलवार 07, 21 जनवरी और 04 फरवरी को दोपहर 2.00 बजे रवाना होगी। त्रिचूर, कोयंबटूर, विजयवाड़ा, बालाघाट के रास्ते बृहस्पतिवार की शाम 4.55-5.00 बजे प्रयागराज छिवकी और रात जाएगी। वहीं प्रयागराज छिवकी के रास्ते कन्याकुमारी से बनारस के लिए 06003 का संचालन सोमवार 17 फरवरी को एवं वापसी में 06004 का बनारस से बृहस्पतिवार 20 फरवरी को होगा। प्रयागराज छिवकी के ही रास्ते चेन्नई से लखनऊ के गोमतीनगर के लिए 06001 की रवानगी बुधवार 08, 15, 22 जनवरी, 5, 19, 26 फरवरी को और वापसी में 06002 की रवानगी शनिवार 11, 18, 25 जनवरी, 8, 22 फरवरी को होगी। तिरुवनंतपुरम (कोच्चुवेली) से बनारस के लिए एक अन्य ट्रेन 06007 मंगलवार 18, 25 फरवरी और वापसी में 06008 बनारस से तिरुवनंतपुरम (कोच्चुवेली) के लिए शुक्रवार 21, 28 फरवरी को प्रयागराज छिवकी के रास्ते संचालित की जाएगी।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

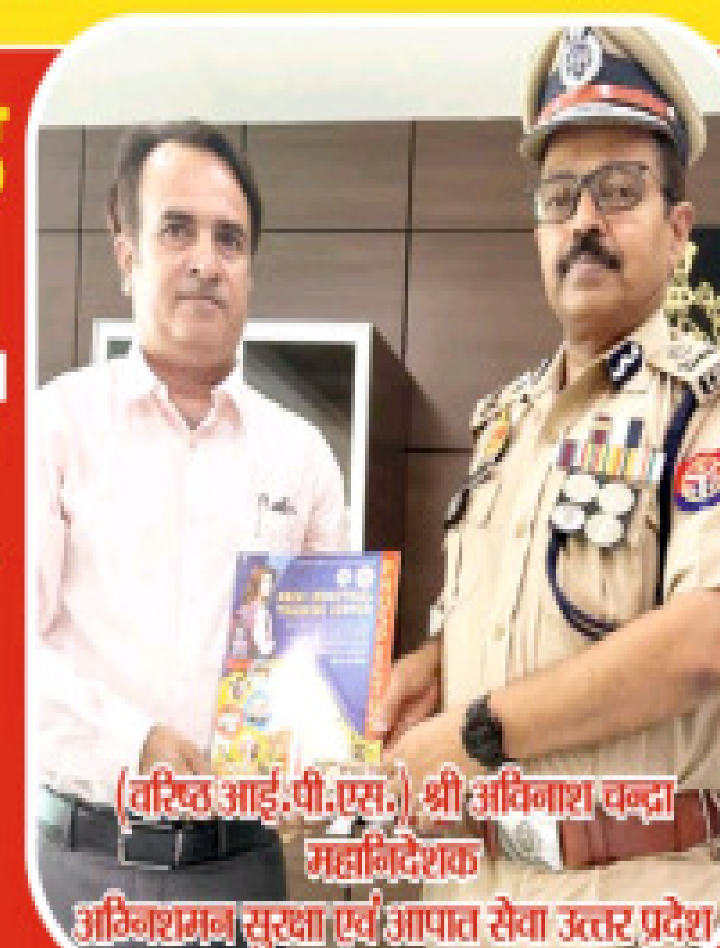

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

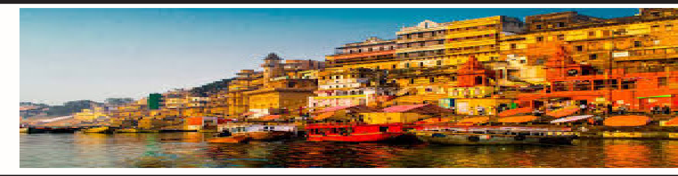

मकर संक्रांति के बाद रोहतक तक चलेगी महामना एक्सप्रेस; बढ़ेंगे जनरल कोच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। यात्रियों की सुविधाओं और सहूलियत को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। यह जानकारी उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डीआरएम एसएम शर्मा ने दी। कहा कि अब हर सोमवार को दो घंटे कॉलोनी में जनता अदालत लगाया जाए।नई दिल्ली तक चलने वाली महामना एक्सप्रेस का विस्तार रोहतक तक किया जाएगा। मकर संक्रांति के बाद 17 जनवरी से ट्रेन का संचालन रोहतक तक किया जाएगा। इस 16 कोच की ट्रेन में जनरल, स्लीपर और एसी के कोच भी बढ़ाएं जाएंगे। 21 कोच से लैस होकर महामना एक्सप्रेस चलेगी। यह बातें उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डीआरएम एसएम शर्मा ने कैंट स्टेशन पर पत्रकारों से कहीं। इसके पहले डीआरएम ने निरीक्षण के दौरान रेल कॉलोनियों की साफ-सफाई व्यवस्था से नाखुश हुए। रेलवे कॉलोनी में जनता अदालत नहीं लगाने पर संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। रेलवे एईएन कॉलोनी में कर्मचारियों से संवाद किया। अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर सोमवार को दो घंटे कॉलोनी में जनता अदालत लगे। महाकुंभ की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए पहुंचे डीआरएम ने पार्सल घर, यात्री आश्रय, स्वच्छता व्यवस्था, सामुदायिक केंद्र, पार्किंग स्थल, होल्डिंग एरिया, रेलवे सुरक्षा बल की बैरक, यात्री सुविधा, सर्कुलेटिंग एरिया, यात्री आश्रय हॉल, यात्री हॉल, खानपान स्टॉल समेत सभी प्लेटफार्मों का हाल जाना। पत्रकारों के सवाल पर कहा कि जो भी कर्मचारी एक ही स्थान पर 10-15 साल से जमे हैं, उनकी सूची तैयार कराई जा रही है। तबादला नीति के तहत जरूरत पड़ी तो ऐसे कर्मचारियों को जम्मू तक भी भेजा जाएगा।महाकुंभ को देखते हुए डीआरएम ने बताया कि आरएमएस कॉलोनी व द्वितीय प्रवेश द्वार पर दो स्थानों पर अस्थायी रूप से यात्री आश्रय हॉल बनाया जाएगा। प्लेटफॉर्म संख्या 10/11 पर पहुंचने के लिए जगह-जगह साइनेज बोर्ड लगाए जाएंगे। मेला अवधि में ड्यूटी के लिए आने वाले अतिरिक्त कर्मचारियों के रहने की जगह और मूलभूत जरूरतों के संबंध में भी पूरी जानकारी ली। डीआरएम एसएम शर्मा ने बताया कि पिछले दिनों रेलवे बोर्ड के चेयरमैन के निरीक्षण में कैंट स्टेशन पर तमाम खामियां मिली थी। उन खामियों को दुरुस्त कराया जा रहा है। साफ-सफाई व्यवस्था दुरूस्त है।नए साल में धार्मिक स्थलों की ओर जाना आसान नहीं है। अयोध्या, उज्जैन, जम्मू और उत्तराखंड की ओर जाने वाली ट्रेनें फुल हो गईं है। दिसंबर के अंतिम सप्ताह से पांच जनवरी तक किसी भी क्लास में जगह नहीं है। ऐसे में धार्मिक स्थलों की सैर करके नए साल की शुरुआत करने वालों में निराशा है। अधिकतर लोगों ने सड़क मार्ग से ही जाने की तैयारी शुरू कर दी है। उज्जैन में महाकाल, जम्मू में मां वैष्णो देवी, उत्तराखंड के काठगोदाम रेलवे स्टेशन से नीम करौली बाबा और मां नैना देवी के दर्शन की इच्छा रखने वालों में निराशा है। छोटी दूरी की अयोध्या जाने वाली ट्रेनें भी फुल हैं। टूर ऑपरेटर अभिषेक सिंह ने बताया कि जिन्होंने पहले से ही बुकिंग करा रखी है, उनके लिए तो ठीक है, लेकिन हाल फिलहाल में जो लोग धार्मिक स्थलों की सैर करना चाहते हैं उनके लिए लंबी दूरी की ट्रेनों में जगह नहीं है।

भारत के बौद्ध सर्किट में बढ़ेंगे विदेशी पर्यटक, जापान के विवि और बीएचयू में समझौते पर बनी सहमति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी।जापान के तकाराजुका विश्वविद्यालय के साथ अब बीएचयू समझौता करेगा। इससे बौद्ध सर्किट में विदेशी पर्यटकों की भी संख्या बढ़ेगी। स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक शिल्प की वजह से यहां पर दुनिया भर के पर्यटक आते हैं। इस एमओयू से बनारस को भी काफी लाख मिलेगा।बनारस के सारनाथ समेत भारत के बौद्ध सर्किट में विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने को लेकर बीएचयू जापान के तकाराजुका विश्वविद्यालय के साथ समझौता करेगा। यूपी और बिहार के सात और नेपाल के एकमात्र बौद्ध स्थल में निवेश बढ़ाया जाएगा। बनारस और जापान की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की एक सूची तैयार कर रिसर्च होगा।तकाराजुका विश्वविद्यालय में हिंदी भाषा की पढ़ाई होगी। बीएचयू के छात्र जापान और वहां के छात्र यहां पर आकर एक मंच पर चर्चा करेंगे। जापान के पर्यटन विकास का मॉडल काशी और पूरे बौद्ध परिपथ में लागू किया जाएगा। इससे जापान से बनारस आने वाले वाले बौद्ध पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। बीएचयू में बुधवार को जापानी छात्रों और प्रोफेसरों के साथ हाइब्रिड मोड में एक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसी में इस सहयोग को लेकर सहमति बनी है। सेमिनार में जापान के सबसे खूबसूरत शहरों में से एक मियाकोजिमा के पर्यटन मॉडल पर चर्चा हुई। बताया गया कि स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक शिल्प की वजह से यहां पर दुनिया भर के पर्यटक आते हैं।कोविड से पहले ही घटे पर्यटक सेमिनार के आयोजक पर्यटन विशेषज्ञ डॉ. राणा प्रवीन ने कहा कि अभी भी बनारस और भारत में जापानी पर्यटकों का काफी कम हिस्सा है। जबकि, बनारस जैसे विदेशी और घरेलू पर्यटक जापान के किसी भी एक शहर में नहीं आते। 2019 तक भारत में 2.38 लाख जापानी पर्यटक आते थे, लेकिन 2020 तक ये संख्या 50 हजार तक सीमित हो गई।डॉ. राणा ने कहा कि जापानी पर्यटकों की कमी के पीछे रिसर्च करने पर पता चला कि उन्हें जो भी सहूलियत काशी या भारत में चाहिए, वो नहीं मिल पाती। इससे जापान के काफी पर्यटक बौद्ध टूरिज्म के लिए चीन चले जा रहे हैं। हमें इसी ट्रेंड को रोकना है। इसके लिए अब सहयोग की खासा जरूरत है। इंडिया-जापान 2025 विजन तैयार किया गया था। बौद्ध सर्किट पर जापान काफी पैसा निवेश कर रहा है। ये निवेश बनारस और भारत भर के बौद्ध स्थलों तक तेजी से लाना होगा।सेमिनार में कला संकाय के प्रमुख प्रो. माया शंकर पांडेय और कई विशेषज्ञ मौजूद थे। इनमें शामिल श्रीलंका के छात्र निरदुसा शांतिकुमार और बीएचयू के उज्जवल झा ने कहा कि इस सहयोग के तहत स्नातक, परा स्नातक और संयुक्त पीएचडी प्रोग्राम शुरू करने होंगे। स्कॉलरशिप और एक्सचेंज प्रोग्राम को भी बढ़ाना होगा।म्यांमार के प्या फ्यो थांट ने कहा कि जापान के पर्यटन उद्योग ने यहां की संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय बाजार को भी प्रभावित किया है। जापान के शहर मियाकोजिमा पर म्यांमार के हितू मायात ह्विंग ने कहा कि ये एक द्वीप पर बसे विश्व के सबसे खूबसूरत शहरों में से एक है। इसकी भौगोलिक और उष्ण कटिबंधीय जलवायु भी इसकी खूबसूरती को बढ़ाती है। बीएचयू के छात्र शशांक कुमार और अनन्य लखेरा ने बताया कि छठवीं शताब्दी में भारत से ही बौद्ध धर्म जापान में गया।

मणिकर्णिका पर बंद कर देंगे अंतिम संस्कार महाश्मशान नाथ के मंदिर में घुसा सीवर का पानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। मणिकर्णिका के बाबा महाश्मशान नाथ के मंदिर में सीवर का पानी भर जाने से भक्तों और मंदिर प्रबंधन के लोगों में गहरा आक्रोश है। सीवर के मलजल के बीच बाबा की शयन आरती की गई। 48 घंटे में समस्या के समाधान की बात कही गई है।काशी के तीर्थ मणिकर्णिका के बाबा महाश्मशान नाथ के मंदिर में सीवर भर गया। बुधवार को सीवर के मलजल के बीच बाबा की शयन आरती संपन्न हुई। चौथी बार मंदिर में सीवर का मलजल घुसने से श्रद्धालुओं में आक्रोश है। वहीं, बाबा महाश्मशान सेवा समिति ने नगर निगम को चेतावनी दी है कि 48 घंटे में अगर सीवर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह अंतिम संस्कार बंद कर देंगे।बुधवार को दोपहर के बाद बाबा महाश्मशान नाथ के मंदिर के अंदर सीवर का मलजल भर गया। मलजल के बीच ही पुजारी और भक्तों ने बाबा की शयन आरती को संपन्न कराई। यह चौथा मौका है जब बाबा मसान नाथ के मंदिर में सीवर का मलजल प्रवेश कर गया। भक्तों ने कहा कि इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द करना आवश्यक है ताकि श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस न पहुंचे और मंदिर की गरिमा बनी रहे। सीवर के कारण बाबा महाश्मशान नाथ का पूजा-पाठ, भोग-आरती प्रभावित होने से श्रद्धालुओं में रोष व्याप्त है।

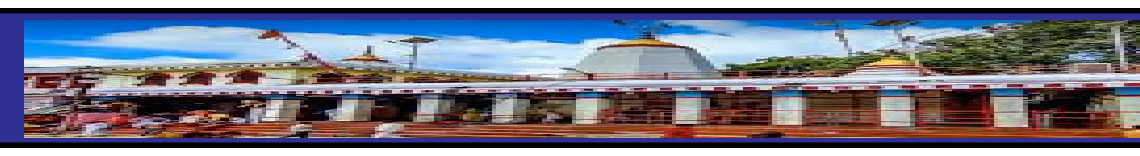

उद् भव सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा 11वें वर्ष कंबल वितरण का कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। उद् भव सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा 11वें वर्ष कंबल वितरण का ठंडी में बुजुर्ग गण को ठंडी से राहत देने के लिए कंबल वितरण का कार्यक्रम हर वर्ष संस्था द्वारा किया वितरण कार्यक्रम में संस्था के अमित अग्रवाल, अरविंद पांडेय, आनंद मोदनवाल, अमित वर्मा, प्रतिक

कार्यक्रम ग्राम-खुज्जा (संडी-चतरा) एवं ग्राम-घेवल (रामगढ़)एवं ग्राम-पचोखर (रामगढ़) ग्राम-तेलाड़ी रामगढ़ में वहां के वरिष्ठ नागरिक महिला और पुरुष के बीच में 201 कंबल का वितरण किया गया। संस्था के अध्यक्ष राजेश जायसवाल ने कहा कि इस भीषण जाता है। महामंत्री गोविंद केसरी एवं उपाध्यक्ष संजय जैन ने कहा कि गांव में जाकर सही पात्र को देना ही हमारा लक्ष्य है। कोषाध्यक्ष मनोज मौर्य एवं संगठन मंत्री कमल पाल समाज के अन्य वर्ग से भी ग्रामीण क्षेत्र में जाकर मदद करने के लिए आगे आने को कहा । कंबल केसरी, शिवम केसरी एवं शिवम चंद्रा उपस्थित रहे। कंबल वितरण कार्यक्रम में रवि गुप्ता एवं मनोज एवं नंदू जायसवाल एवं राकेश जायसवाल एवं अन्य लोग का भी सहयोग रहा। अध्यक्ष राजेश जायसवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वन विभाग ने 58 बोटा अवैध खैर की लकड़ी सहित पिकप किया सीज,आरोपी फरार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बीजपुर/सोनभद्र। छतीसगढ़ के जंगल से यूपी के जंगली रास्ते खैर की कीमती लकड़ी परिवहन करते वन वनकर्मियों ने मंगलवार की भोर में अपने बार्डर क्षेत्र नवाटोला से पकड़ कर पिकप सहित 58 बोटा खैर की लकड़ी सीज कर दिया इस दौरान अंधेरे का लाभ उठा कर पिकप चालक और लकड़ी तस्कर फरार होने में कामयाब हो गए।रेंजर राजेश सिंह ने बताया कि कत्था लकड़ी का तस्कर कमलेश यादव पुत्र महेंद्र यादव निवासी बलंगी जनपद बलरामपुर छतीसगढ़ 58 बोटा खैर की कीमती लकड़ी छः ग. के जंगल से काट कर यूपी के जरहा रेंज क्षेत्र नेमना गाँव टोला नवाटोला के रास्ते कहीं बेचने की फिराक में जा रहा था।इसी बीच मुखबिर की सूचना पर जरहा वन रेंज की सक्रिय टीम ने छापा मारी कर बार्डर क्षेत्र में लकड़ी सहित पिकप को धर दबोचा इस दौरान अंधेरे का फायदा उठा कर पिकप चालक और लकड़ी तस्कर फरार होने में कामयाब हो गए।धराए पिकप सहित खैर की लकड़ी को रेंज परिसर में लाकर गिनती और नापी की गयी तो कुल 58 बोटा कत्था की लकड़ी जिसका अनुमानित कीमत ढाई लाख बताया गया को पिकप सहित खैर की लकड़ी को सीज कर उत्तर प्रदेश वन उपज परिवहन नियमावली की धारा 41/42 के अंतर्गत विधिक कार्रवाई के बाद आरोपियों की तलाश में वन कर्मी जुट गए।टीम में रेंजर राजेश सिंह वन दरोगा लवलेश सिंह सतेंद्र सिंह सहित अन्य वनकर्मी मौजद थे।

बच्चों को दुर्व्यवहार, उपेक्षा, शोषण, और भेदभाव सें रखे दुर हम सबकी जिम्मेदारी- शेषमणि दुबे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिला प्रोबेशन अधिकारी पुनीत टण्डन के आदेशानुसा? गुरु नानक बालिका इंटर कॉलेज रावर्टसगंज में गुरुवार को वीर बाल

दिवस का आयोजन किया गया जिसमें बालिकाओं को विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही पात्र बालिकाओं को योजनाओं से जोड़ा गया। ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा हर बच्चे के लिए हर अधिकारठ विश्व बाल दिवस 2024 के थीम का आह्वान करते हुए बच्चों के मौलिक अधिकारो के बारे मे बताया गया जिसमे भोजन, शिक्षा, स्वच्छता, आवास, और हानिकारक काम से सुरक्षा शामिल हैं त् साथ ही यह भी कहा गया की बच्चों को दुर्व्यवहार, उपेक्षा, शोषण, और भेदभाव से सुरक्षा का अधिकार हैं। केन्द्र प्रशासक दीपिका सिंह ने महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे -मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य, स्पांसरशिप योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित पेंशन योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर योजना, चाइल्ड हेल्पलाइन योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी, साथ ही संरक्षण अधिकारी गायत्री दुबे एवं रोमी पाठक ने समस्त हेल्पलाइन 102,108 एम्बुलेंस आपातकाल सेवा ,112 पुलिस हेल्पलाइन 181, 1090 महिला हेल्पलाइन की जानकारी दी, साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन द्वारा 1098 की पूर्ण कार्यशैली से अवगत कराया उक्त अवसर पर वन स्टाप सेंटर से केन्द्र प्रशासक दीपिका सिंह,जिला बाल संरक्षण इकाई सें संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक, गायत्री दुबे,ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे, विद्यालय के प्रधानाचार्य जय प्रकाश द्विवेदी, सरदार रणजीत सिंह भण्डारी, एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

पंडित मदन मोहन मालवीय जी और भारत रत्न पूर्व अटल बिहारी वाजपेई जी की धूमधाम सेमनाई गई जयंती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। महामना परिवार सोनभद्र द्वारा उरमौरा स्थित डायट परिसर के सभागार में बुधवार को राष्ट्रवाद के प्रखर समर्थक, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक, महान समाज सुधारक, शिक्षाविद एवं स्वतंत्रता सेनानी भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी तथा भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवम पुष्प अर्पित कर किया गया तत्पश्चात दोनों महापुरूषों के चित्र पर मंचासीन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे फोरएस कालेज के प्रबंधक जे एन तिवारी, मुख्य अतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे एवम अन्य विशिष्ठ अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय एवम भारत के पूर्व प्रधान मंत्री पंडित अटल बिहारी वाजपेई जी के जीवन मूल्यों का हम लोग अनुकरण करें। वही सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र ने कहा कि मालवीय जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री

अटल बिहारी जी जैसी विभूतियों के द्वारा देश के प्रति किए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। दी सोनभद्र टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश देव पाण्डेय ने कहा कि हम इन दोनों महान विभूतियों का अनुसरण कर सदा समाज और देश की सेवा में तत्पर रहें। वही आदिनाथ पाठक ने कहा कि मालवीय जी द्वारा संस्थापित काशी हिंदू विश्वविद्यालय आज शिक्षा के क्षेत्र में विश्व भर में अपना परचम लहरा रहा है। अध्यक्षता कर रहे जे एन तिवारी ने कहा कि जयंती मनाना तभी सार्थक होगा जब कोई दूसरा मालवीय और दूसरा अटल पैदा हो।इसके अलावा कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र कुमार पाठक, पूर्व सांसद नरेंद्र कुशवाहा, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्रप्रकाश द्विवेदी, सोनभद्र बार एसोसिएशन के महामंत्री अखिलेश कुमार पांडेय, अरविंद तिवारी, राजकेशर सिंह,राजकुमार,पंकज, डा आशा शुक्ला, ने भी अपने अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के मुख्य संयोजक महामना परिवार के हिमांशु मिश्र ने कार्यक्रम में विशेष सहयोग के लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी सोनभद्र मुकुल आनंद पांडेय और आए हुए सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का सफल और सुंदर संचालन महामना परिवार सोनभद्र के जलज मालवीय ने किया।कार्यक्रम में इसके अलावा राजकुमार शर्मा, संतोष कुमार चौरसिया, उमापति पांडे, प्रमोद कुमार दुबे, प्रमोद कुमार मौर्य, प्रदीप धर द्विवेदी, वंदना देवी, जय श्री विश्वकर्मा, निकहत खान, शबनम, जै शंकर मिश्रा, हरिवंश सिंह, सौरभ सिंह, शंकर सिंह, मनोज कुमार सिंह, सुनील कुमार मौर्य, अवधेश कुमार सिंह, हीरालाल प्रजापति,लोकेश कुमार मिश्रा एवं आत्मा यादव उपस्थित रहे।

खनन क्षेत्र में अधिकारियों का आने की सूचना से पसार रहा सन्नाटा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। खनन मानकों को लाख दुहाई देने वाले खनन क्षेत्र में बुधवार को दोपहर बाद सन्नाटा पसरा हुआ दिखाई दिया। सूत्रों की मानें तो बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में स्थित खदानों में जहां एक ओर प्रतिदिन मशीनों की गड़गड़ाहट और टीपरों के चक्कर की होड़ लग रहती थी वहीं बुधवार को ब्लास्टिंग के बाद जांच टीम आने की सूचना से खनन क्षेत्र में सन्नाटा पसरा दिखाई दिया।खनन क्षेत्र में सन्नाटे की वजह से क्षेत्र में चर्चा का बाजार गर्म हैं कि यदि सब खनन मानक के अनुरूप चलता हैं तो जांच आने की सुचना पर खनन क्षेत्र में आखिर सन्नाटा क्यों पसर जाता हैं। वहीं बात करें तो जांच टीम का काफिला सलईबनवा रेलवे स्टेशन के पास जांच करते देखा गया और जांच को लेकर जब पत्रकार बंधुओं ने टीम जानकारी लेनी चाही तो अधिकारी कतराते हुए किनारा कंस लिया सलईबनवा रेलवे स्टेशन के पास जगहों का स्थलीय निरीक्षण करते वापस चलें गए।

जामवंती पाण्डेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में घोरावल की टीम बनी विजेता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
घोरावल सोनभद्र । स्व. जामवंती पांडेय स्पोर्ट्स क्लब के सौजन्य से महुआंव पांडेय गांव में आयोजित जामवंती पांडेय स्मृति क्रिकेट

प्रतियोगिता के चौदहवें दिन बुधवार को लीग मैच और क्वार्टर फाइनल मैच खेले गए। सबसे पहले खुटहा और धरमौली की टीमों के बीच लीग मैच खेला गया। खुटहा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया और निर्धारित 8 ओवरों में 112 रन बनाए। जवाब में धरमौली की टीम 8 विकेट खोकर 54 रन ही बना सकी। इस मैच के मैनऑफ द मैच विजेता टीम खुटहा के ओमप्रकाश रहे, जिन्होंने 55 रनों का योगदान दिया। इसके बाद घोरावल और खुटहा की टीमों के बीच हुआ। घोरावल ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 8 ओवर में 81 रन बनाए।जवाब में खुटहा की टीम 6 विकेट खोकर आखिरी ओवर तक संघर्ष किया, लेकिन 4 रनों से मैच हार गई। इस मैच के मैन ऑफ द मैच इस मैच आरिफ रहे, जिन्होंने शानदार आलराउंडर प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट लिए और 7 रनों का योगदान दिया। इसके बाद क्वार्टरफाइनल मैच नौड़िहा और घोरावल की टीमों के बीच हुआ। नौड़िहा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 8 ओवरों में 105 रन बनाए।जवाब में घोरावल की टीम 4 विकेट खोकर 4 गेंद रहते इस रोमांचक मैच को जीत लिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच यान रहे, जिन्होंने 56 रन बनाए और विपक्षी टीम का 1 विकेट भी लिया। आयोजन समिति के सदस्य रामअनुजधर द्विवेदी और जगदीश शर्मा के द्वारा विजेता टीमों और मैन ऑफ द मैच खिलाड़ियों को शील्ड प्रदान कर पुरस्कृत किया।सभी मैचों में अंपायर की भूमिका अनूप पाठक और नीरज ने निभाई। इस मौके पर गोविंदधर द्विवेदी, प्रदीप तिवारी, दीपक शर्मा, रामकेश कुशवाहा, मंदीप, राधेश्याम जायसवाल, नीरज, अश्विनी द्विवेदी, अभिषेक द्विवेदी, निखिल, जयप्रकाश शर्मा, गवर्नर इत्यादि मौजूद रहे।

423 मरीजों की हुई निशुल्क जांच दिए गए चश्मा एवं दवा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। लायंस क्लब राबर्ट्सगंज द्वारा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन प्रत्येक माह की 26 तारीख को लायंस भवन में श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय,चित्रकूट के सहयोग से आयोजित किया जाता है, कैम्प लायंस भवन में होता है,इस बार आज 26 दिसंबर को डॉ0 संतोष यादव,मैनेजर हेमराज यादव के नेतृत्व में आई टीम ने मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए 126 मरीज चित्रकूट भेजे गए। अध्यक्ष राधिका सिंह, सचिव कल्पना केशरी, कोषाध्यक्ष परमजीत कौर,पूर्व मंडलाध्यक्ष हरीश अग्रवाल, एसोसिएट कैबिनेट सेक्रेटरी किशोरी सिंह, विमल अग्रवाल, रीजन चेयरपर्सन दया सिंह,जयकुमार केशरी आदि सदस्य

उपस्थित रहकर कार्यक्रम को संपन्न कराएं। 112 मरीजों को निःशुल्क चश्मा दिया गया,दवा दी गई। जिसमें 26 नवम्बर 2024 तक 3244 मोतियाबिंद के मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन हो चुका हैं, 5526 मरीजों की जांच हो चुका है। अध्यक्ष राधिका सिंह ने कहा कि आज के आयोजन में 126 मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन के लिए चित्रकूट भेजा गया,हरीश अग्रवाल, कल्पना केशरी, परमजीत कौर, विमल अग्रवाल, किशोरी सिंह,दया सिंह, जयकुमार केशरी ने संयुक्तरुप से कहा कि यह पुनीत कार्य लायंस क्लब द्वारा कई वर्षों से किया जा रहा है, निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में आज तक हुए सभी ऑपरेशन शत-प्रतिशत सफल रहे । 423 मरीजों की जांच हुई जिन्हें चश्मा एवं दवा मुफ्त दिया गया। लायंस क्लब राबर्ट्सगंज निरंतर इस तरह की सेवा करता रहता है।

बाबा साहब का अपमान नही सहेगा हिंदुस्तानःविपिन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। गुरुवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश मानशिकता वाले लोगो को कभी माफ नही करेगी वो दिन दूर नही जब एक नया लोकतंत्र का शाशन

यादव द्वारा चलाये जा रहे प्रत्येक विधानसभा छेत्र में सेक्टर वार पीडीए चर्चा का कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है जिसमे लोकसभा में गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का जो अपमान किया गया है वो देश की जनता कभी बर्दास्त नही करेगी वही विपिन श्रीवास्तव ने कहा कि ँब्ज्ञ् शुरू से ही बाबा साहब की विरोधी रही है कभी ये चुनाव जीतने के बाद आरछण खत्म करने की बात करते है तो कभी बाबा साहब का अपमान करते है ऐसी दशा में इनकी मंशा साफ है कि ये दलित विरोधी सरकार है तथा अब जब ँब्ज्ञ् की सच्चाई सामने आ गयी है तो वो तरह तरह की सफाई दे रही है देश की जनता ऐसे विरोधी होगा और ये तानाशाही सरकार का अंत बाबा साहब ने देश मे आज़ादी के लिए शुरू से आवाज ही नही उठाई बल्कि जब देश आजाद हुआ तो सविंधान बना कर पिछड़ा,दलित,अल्पसंख्यक समाज को अधिकार भी दिया सविधान ने सामंती सोच की परम्परागत सत्ता को चुनौती भी दी और 90परसेन्ट वंचित आबादी को आरक्षण के माध्यम से हक और अधिकार दिलवाया बाबा साहब द्वारा दिलाया गया आरछण सदियों की पीड़ा दोनो ने मिलकर पिछड़े दलित अल्पसंख्यक को एकसूत्र में बांधने का प्रयास किया ऐसे बाबा साहब का अपना देश की जनता नही सहेगी या तो अमित शाह इस्तीफा दे या देश की जनता से माफी मांगे।

श्री राम सीता का हुआ विवाह, श्रद्धालुओं ने बरसाए फूल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जनपद मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज के स्थानीय आरटीएस क्लब मैदान में चल रहे रामचरितमानस नवाह पाठ के तृतीय दिवस के अवसर पर मानस पांडाल में श्री राम जानकी का विवाह उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लेत चढ़ावत खैचत गाढै। काहू न लखा देख सब ठाढे।। तेहि छन राम मध्य धनु तोरा। भरे भुवन धुनि घोर कठोरा।। इसी दोहे के साथ शिव का धनुष भंग हुआ और लोगों में उत्सव मनाया जाने लगा देवी- देवता दर्शन के लिए आने लगे और माता

जानकी- भगवान श्रीराम ने एक दूसरे के गले में वरमाला डाला, विवाह संस्कार पूर्ण हुआ हुआ। झांझ, मृदंग शंख शहनाई। मेरी री ढोल दूदूभी सुहाई।। बाजहि बहू बाजने सुहाये। जह तह जुबातिनह मंगल गाये।।आचार्य सूर्य लाल मिश्र के मुखारविंद उद्धृत गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरितमानस के बालकांड की चौपाई के साथ मानस पांडाल में भक्तजनों में हर्ष का माहोल छा गया और उपस्थित भक्तजन बधाई एवं विवाह गीत गाने लगे। श्री राम के विवाह उत्सव के खुशी में प्रसाद स्वरूप स्त्रियों में श्रृंगार की वस्तुएं वितरित की गई और राम विवाह की झांकी बड़े सुरुचि पूर्ण ढंग से सजाई गई।राम- लक्ष्मण-परशुराम संवाद, राजा दशरथ के पास जनकजी का दूत भेजना, अयोध्या से बारात का प्रस्थान, बारात का जनकपुर में आना और स्वागत आदि, सीता राम विवाह, अयोध्या लौटना और अयोध्या में आनंद आदि प्रसंगो का संगीतमय गायन मुख्य व्यास एवं भूदेवो ने किया। राजा जनक के रूप मे विनय अग्रवाल और उनकी धर्मपत्नी सुनैना के रूप में श्रीराम की कृपा विधि के उपरांत पाव पखारकर कन्यादान करने के रस्म को निभाया।जयकारा और पटाखों की ध्वनि से नगर गूंज रहा है, राजा दशरथ के रूप में सत्यपाल जैन ने बारातियों के साथ मंडप की शोभा बढ़ा रहे थे। इसके एक दिन पूर्व रात्रि प्रवचन में प्रसिद्ध कथा व्यास नीरज जी भैया द्वारा राम जन्म की कथा का वर्णन करते हुए कहा कि नारद मुनि ने भगवान को श्राप दिया था उसी श्राप के कारण भगवान का अवतार रावण के वध के लिए हुआ साथ ही उन्होंने विभिन्न प्रकार के सोहर और भजनों को गाया जिससे महा उपस्थित श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए।

प्रभात पांडे की लखनऊ में हुई मृत्यु की निष्पक्ष हो जांच सौपा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। गुरुवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय के निर्देशानुसार जिला शहर कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के संयुक्त तत्वाधान में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के माध्यम से विगत 18 दिसंबर को विधानसभा घेराव में यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव प्रभात पांडे की पुलिस बर्बरता के कारण हुई मृत्यु के मामले में सोनभद्र कांग्रेस जनों के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी सोनभद्र को सौंपते हुए यह मांग की की पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और पीड़ित परिवार को न्याय

मिले ज्ञापन सौंपते हुए जिला अध्यक्ष रामराज सिंह ने जिलाधिकारी सोनभद्र के प्रतिनिधित्व को ज्ञापन पढ़कर सुनाया और निष्पक्ष जांच की मांग की । ज्ञापन सौंपने वालों में जिला कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के कार्यवाहक अध्यक्ष रामराज सिंह गॉड शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष राजीव कुमार त्रिपाठी पूर्व प्रदेश सचिव कमलेश ओझा निवर्तमान प्रदेश सचिव इंजीनियर जितेंद्र पासवान पीसीसी सदस्य हाजी फरीद अहमद पीसीसी सदस्य आशुतोष कुमार दुबे गोपाल स्वरूप पाठक बाबूलाल पनिका मोहम्मद सईद खान स्वतंत्र साहनी विशिष्ट कुमार चौबे दयाराम प्रजापति श्रीकांत मिश्रा आदि लोग शामिल रहे।

स्पोर्ट्स

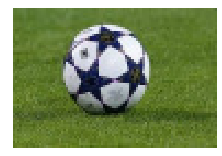

कौन हैं 19 साल के सैम कोंस्टास बुमराह-सिराज की कर दी धुनाई, डेब्यू मैच में ही बना डाला रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोंस्टास ने 65 गेंद में 60 रन की मनोरंजक पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने छह चौके और दो छक्के लगाए। उन्होंने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाजों की जमकर धुनाई की।कोंस्टास ने 52 गेंद पर अंतरराष्ट्रीय करियर और टेस्ट करियर का पहला छक्के लगाए हों। ओवरऑल वह दूसरे बल्लेबाज हैं। इससे पहले 2018 में जोस बटलर ने ऐसा किया था। बुमराह ने बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले तक अपने ओपनिंग स्पेल में टीम के लिए अपना पहला मैच खेला था। कप्तान पैट कमिंस चार्ट पर दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 2011 में 18 साल और 193 दिन की उम्र में डेब्यू किया था। टॉम गैरेट तीसरे स्थान पर हैं और क्लेम हिल चार्ट में पांचवें स्थान पर हैं। कोंस्टास ने बुमराह के पहले स्पेल में 33 गेंद पर 34 रन बनाए। यह बुमराह द्वारा अपने पहले स्पेल में किसी बल्लेबाज के खिलाफ दिए गए सबसे ज्यादा रन हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक के नाम था। उन्होंने 2018 में बुमराह के पहले स्पेल में 40 गेंद में 25 रन बनाए थे। वहीं, 2018 में ही अपने डेब्यू टेस्ट पर बुमराह के पहले स्पेल में फाफ डु प्लेसिस ने 18 गेंद में 23 रन बटोरे थे। यह लिस्ट में तीसरे स्थान पर है। कोंस्टास का नाम पर्थ टेस्ट के बाद भारत के खिलाफ दो दिवसीय अभ्यास मैच में चर्चा में आया था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री इलेवन के लिए खेलते हुए भारत के खिलाफ कोंस्टास ने शतक जमाया था और सुर्खियां बटोरीं। कोंस्टास ने इस टेस्ट से पहले अपने 11 प्रथम श्रेणी मैचों में 42.2 की औसत से 718 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। कोंस्टास ने ऑस्ट्रेलिया की 2024 में ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।उन्होंने एक शतक सहित सात पारियों में 27.28 की औसत से 191 रन बनाए थे। कोंस्टास ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले ऑस्ट्रेलिया ए और भारत ए के बीच दो मैचों की सीरीज में भी हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने चार पारियों में 92 रन बनाए थे। इसमें एक मैच जिताऊ 73 रन की नाबाद पारी भी शामिल है। मौजूदा शेफील्ड शील्ड सीजन में कोंस्टास 58.87 की औसत से पांच मैचों में 471 रन के साथ पांचवें सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। 152 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। बॉक्सिंग डे टेस्ट की शुरुआत हो चुकी है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस टेस्ट के लिए नाथन मैकस्वीनी की जगह 19 साल के युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास को मौका दिया। इस बल्लेबाज ने टीम मैनेजमेंट और कप्तान पैट कमिंस के फैसले को सही साबित करते हुए अर्धशतक जड़ दिया। खास बात तो यह रही कि कोंस्टास ने 100 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए अर्धशतक बनाया। इसी के साथ उन्होंने रिकॉर्ड भी बना दिया। उन्होंने न सिर्फ अर्धशतक जड़ा, बल्कि पहली गेंद से भारतीय गेंदबाजों पर हावी रहे। कोंस्टास ने 65 गेंद में 60 रन की मनोरंजक पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने छह चौके और दो छक्के अर्धशतक जड़ा। 19 साल के इस बल्लेबाज ने अपने पहले मैच में बुमराह तक को सोचने पर मजबूर कर दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए वह अच्छी खोज साबित हुए हैं। इस बात का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बुमराह ने अपने शुरुआती छह ओवर में 38 रन लुटा दिए थे। उनका इकोनॉमी रेट 6 से ऊपर का रहा। बुमराह के छठे ओवर में कोंस्टास ने 18 रन बटोरे। इसके बाद उन्हें बॉलिंग लाइन अप से हटा दिया गया। टेस्ट क्रिकेट का रिकॉर्ड जब से उपलब्ध है, तब से शुरुआती 10 ओवर में 23 स्कूप या रिवर्स स्कूप लगे हैं। इनमें से पांच तो कोंस्टास ने अपनी डेब्यू पारी में लगा दिए। इतना ही नहीं कोंस्टास 2018 के बाद ऐसे पहले बल्लेबाज भी बन गए, जिन्होंने किसी टेस्ट की पारी में बुमराह की गेंद पर दो तीन टेस्ट में 54 रन खर्च किए थे और आठ विकेट झटके थे। वहीं, इस टेस्ट की ओपनिंग स्पेल में बुमराह ने छह ओवर में 38 रन खर्च कर दिए। कोंस्टास टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए अर्धशतक जड़ने वाले दूसरे सबसे युवा बल्लेबाज भी बन गए। उन्होंने 19 साल 85 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया। उनसे ऊपर सिर्फ इयान क्रेग हैं। क्रेग ने 1953 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मेलबर्न में 17 साल 240 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।कोंस्टास गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के लिए चौथे सबसे युवा टेस्ट डेब्यू खिलाड़ी भी बन गए। उन्हें 19 साल और 85 दिन की उम्र में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्क टेलर से अपनी बैगी ग्रीन कैप मिली। इयान क्रेग ने 1953 में 17 साल 239 दिन की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई

कोहली और रोहित की टेस्ट रैंकिंग में बड़ी गिरावट, यशस्वी शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय बल्लेबाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोहली खराब प्रदर्शन के चलते शीर्ष 20 से बाहर हो गए हैं और एक स्थान के नुकसान के साथ 21वें नंबर पर खिसक गए हैं। पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे कप्तान रोहित शर्मा को पांच स्थान का नुकसान हुआ है और वह 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में बड़ी गिरावट देखने मिली है। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से चौथा टेस्ट मैच खेलना है और उससे पहले ही इन से खराब फॉर्म से गुजर रहे कप्तान रोहित शर्मा को पांच स्थान का नुकसान हुआ है और वह 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, लगातार दो शतक जड़ने वाले ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रेविस हेड एक स्थान के सुधार से चौथे और स्टीव स्मिथ एक स्थान के फायदे के साथ शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने 10 स्थान की छलांग लगाई है और बल्लेबाजों की रैंकिंग में 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं। राहुल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत के

दोनों की रैंकिंग में बड़ी गिरावट आई है। कोहली और रोहित के अलावा यशस्वी जायसवाल तथा शुभमन गिल को भी रैंकिंग में नुकसान हुआ है। वहीं, ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ को बल्लेबाजों की रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। पर्थ टेस्ट के बाद बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे यशस्वी एक स्थान के नुकसान के साथ पांचवें नंबर पर आ गया है, जबकि खराब फॉर्म से जूझ रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दो स्थान के नुकसान से 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस तरह यशस्वी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। गिल भी चार स्थान के नुकसान से 20वें स्थान पर खिसक गए हैं। कोहली खराब प्रदर्शन के चलते शीर्ष 20 से बाहर हो गए हैं और एक स्थान के नुकसान के साथ 21वें नंबर पर खिसक गए हैं। पिछले कुछ समय लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। राहुल ने तीन मैचों में 47 के औसत और 50 के स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से दो अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ निजी स्कोर 84 है। पिछले मैच में प्लेइंग-11 में शामिल किए गए रवींद्र जडेजा ने भी नौ स्थान का सुधार किया है और वह बल्लेबाजों की रैंकिंग में 42वें स्थान पर आ गए हैं। जडेजा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ और एडिलेड टेस्ट में नहीं खेले थे, लेकिन उन्होंने गाबा टेस्ट की पहली पारी में 77 रन बनाए थे जिससे भारत फॉलोऑन बचाने में सफल रहा था। पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी को छोड़ दिया जाए तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अब तक भारत की बल्लेबाजी खराब रही है जिसका खामियाजा रैंकिंग में भुगतना पड़ा है।

क्रिसमस पर नए लुक में नजर आए धोनी, सांता क्लॉज बनकर बेटी और पत्नी को दिए तोहफे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान धोनी भी क्रिसमस के रंग में रंगे नजर आए। वह खुद सांता धोनी के नए लुक का खुलासा उनकी पत्नी साक्षी ने किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल से तस्वीरें साझा कीं। इसमें धोनी सांता क्लॉज

क्लॉज बनकर अपने घर पहुंचे और बेटी व पत्नी को सरप्राइज दिया। इस दौरान धोनी ने बेटी जीवा और पत्नी साक्षी को तोहफे भी दिए। आज पूरी दुनिया में क्रिसमस का त्योहार मनाया जा रहा है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान धोनी भी क्रिसमस के रंग में रंगे नजर आए। वह खुद सांता क्लॉज बनकर अपने घर पहुंचे और बेटी व पत्नी को सरप्राइज दिया। इस दौरान धोनी ने बेटी जीवा और पत्नी साक्षी को तोहफे भी दिए। इसकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हैं। के लुक में नजर आए। लाल और सफेद रंग की पोशाक के साथ-साथ उन्होंने बड़ी सफेद दाढ़ी भी लगा रखी है। माही इस नए लुक में काफी अच्छे लग रहे हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है धोनी अपने पूरे परिवार के साथ क्रिसमस का त्योहार मना रहे हैं। इसमें उनकी बेटी जीवा, पत्नी साक्षी और दोस्त भी शामिल हैं। धोनी की बेटी खुद भी लाल ड्रेस में नजर आईं। वह पिता को इस नए अवतार में देखकर काफी खुश दिखीं। वहीं, साक्षी ग्रीन ड्रेस में कॉफी हॉट लग रहीं थीं।

महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने की विनोद कांबली से मुलाकात, दिया हेल्थ पर अपडेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।सरनाईक ने बताया कि कांबली की हालत अब स्थिर है। वह जल्द ही स्वस्थ हो जाएंगे। महाराष्ट्र सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बुधवार को पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली से अस्पताल में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दिग्गज खिलाड़ी के हालचाल जाने। सरनाईक ने बताया कि कांबली की हालत अब स्थिर है। सरनाईक ने विनोद कांबली के जल्द स्वस्थ्य होने की कामना करते हुए इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। इसके साथ उन्होंने लिखा- विनोद कांबली भारतीय क्रिकेट में एक चमकता हुआ नाम हैं, जिन्होंने हमेशा अपने प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है। उनकी आँखों में आज भी वही दृढ़ संकल्प और जुझारूपन झलकता है जो उन्होंने हमेशा मैदान पर दिखाया है। उनकी हालत फिलहाल स्थिर है और मुझे पूरा विश्वास है कि वे जल्द ही ठीक हो जाएंगे।

करीब ढाई महीने बाद टेस्ट टीम में बाबर आजम की वापसी, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेंगे पहला मैच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दाएं हाथ के बल्लेबाज की टेस्ट टीम में वापसी हो गई है। उन्हें आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट (07-11 अक्तूबर) में खेलते देखा गया था। इस दौरान वह सिर्फ 35 रन बना पाए थे।पाकिस्तान की टीम इन दिनों दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर है। दोनों टीमें गुरुवार को दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में आमने-सामने होंगी। सेंचुरियन में खेले जाने वाले इस मैच के लिए पाकिस्तान ने बुधवार को प्लेइंग 11 का एलान कर दिया। इसमें स्टार बल्लेबाज बाबर आजम की वापसी हुई। उन्हें लगभग 2.5 महीने बाद टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। दाएं हाथ के बल्लेबाज की टेस्ट टीम में वापसी हो गई है। उन्हें आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट (07-11 अक्तूबर) में खेलते देखा गया था। इस दौरान वह सिर्फ 35 रन बना पाए थे। इसके बाद उन्हें अंतिम दो टेस्ट मैचों से बाहर कर दिया गया था। अब वह पहले टेस्ट में दमदार प्रदर्शन के साथ टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे। टेस्ट सीरीज से पहले पाकिस्तान का दक्षिण अफ्रीका से वनडे सीरीज में सामना हुआ था। तीन मैचों की सीरीज में दाएं हाथ के बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए। उनके बल्ले से रन निकलना तो दूर, वह विकेट पर टिकने के लिए भी संघर्ष करते दिखे थे। इस निराशाजनक प्रदर्शन के कारण उन्हें पहले टेस्ट की प्लेइंग 11 से बाहर कर दिया गया। पाकिस्तान ने मेजबानों को 0-3 से वनडे सीरीज में हराया था। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने मेहमानों को टी20 सीरीज में 2-0 से मात दी थी। पाकिस्तान की प्लेइंग 11 में तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास को भी शामिल किया गया है। 34 वर्षीय गेंदबाज लगभग तीन साल बाद पाकिस्तान के लिए टेस्ट मैच खेलते दिखेंगे। उन्हें आखिरी बार वेस्टइंडीज के खिलाफ 2021 में खेलते देखा गया था। उम्मीद है कि वह इस मौके का फायदा उठाने में कामयाब होंगे। 25 टेस्ट मैचों में उनके नाम 90 विकेट हैं।शान मसूद, सईम अयूब, बाबर आजम, कामरान गुलाम, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), सऊद शकील, सलमान आगा, आमेर जमाल, नसीम शाह, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद अब्बास।

टेस्ट रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह का जलवा, सर्वोच्च रेटिंग हासिल कर अश्विन की बराबरी की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तेज गेंदबाज के अब 904 रेटिंग अंक हो गए हैं। इसी के साथ उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। 2016 में अश्विन ने सर्वोच्च रेटिंग (904) हासिल की थी।भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ब्रिस्बेन में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी की पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान मजबूत कर लिया। बारिश से प्रभावित इस मैच में बुमराह ने 94 रन देकर नौ विकेट हासिल किए थे। इस दमदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने 14 अतिरिक्त रेटिंग अंक अर्जित किए, जिससे वह करियर की सर्वोच्च रेटिंग हासिल करने में कामयाब हो गए।तेज गेंदबाज के अब 904 रेटिंग अंक हो गए हैं। इसी के साथ उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। 2016 में अश्विन ने सर्वोच्च रेटिंग (904) हासिल की थी। इस तरह वह आईसीसी इतिहास में संयुक्त रूप से सर्वोच्च रेटिंग वाले भारतीय टेस्ट गेंदबाज बन गए। दक्षिण अफ्रीका कगिसो रबाडा दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवड तीसरे पायदान पर हैं।भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में बड़ी गिरावट देखने मिली है। पर्थ टेस्ट के बाद बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे यशस्वी एक स्थान के नुकसान के साथ पांचवें नंबर पर आ गया है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

हिमा दास के निलंबन पर नाडा के अपडेट से असमंजस की स्थिति, जानें पूरा मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नाडा ने हाल ही में घोषणा की है कि उसे अपने ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण उसके डोपिंग निरोधक पैनल द्वारा निलंबित कर दिया गया था। नाडा की वेबसाइट के अनुसार हिमा को मामले के समाधान समझौते के तहत निलंबन दिया गया था। वह वर्तमान में तिरुवनंतपुरम में प्रशिक्षण ले रही है।एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता फर्राटा धाविका हिमा दास को ठिकाने की जानकारी देने में नाकाम रहने के मामले में दोषमुक्त करार दिए जाने के बाद राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने असामान्य घटनाक्रम में उन पर पूर्वव्यापी निलंबन लगा दिया। 16 महीने की निलंबन अवधि 22 जुलाई 2023 से 21 नवंबर 2024 तक थी और एथलीट अब टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र है लेकिन हैरानी की बात यह है कि वह इस साल जून में भी प्रतियोगिताओं में भाग ले रही थी।नाडा ने हाल ही में घोषणा की है कि उसे अपने ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण उसके डोपिंग निरोधक पैनल द्वारा निलंबित कर दिया गया था। नाडा की वेबसाइट के अनुसार 'धींग एक्सप्रेस' के रूप में जानी जाने वाली हिमा को मामले के समाधान समझौते के तहत निलंबन दिया गया था। वह वर्तमान में तिरुवनंतपुरम में प्रशिक्षण ले रही है।उनके निलंबन की अवधि ने असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है क्योंकि वह इस साल अप्रैल से ही प्रतिस्पर्धा कर रही हैं जिसमें बेंगलुरु में इंडियन ग्रां प्री मीट और जून में पंचकूला में राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय मीट शामिल है जबकि उनका निलंबन 21 नवंबर 2024 तक था। सबसे दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने जून में चार रेस में भाग लिया। बुधवार को उनके प्रशिक्षण सत्र के बाद जब उनसे संपर्क किया गया तो हिमा ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक सूत्र ने भी पुष्टि की कि उनका निलंबन नवंबर में समाप्त हो गया था। जब दोनों पक्ष सहमति देते हैं तो डोपिंग निरोधक एजेंसी और खिलाड़ी के बीच 'मामले के समाधान का समझौता ' किया जाता है और खिलाड़ी आगे की अपील किए बिना लगाए गए परिणामों को स्वीकार करने के लिए सहमत होता है।यह घटनाक्रम हिमा को नाडा की डोपिंग निरोधक पैनल से पूरी तरह से मंजूरी मिलने के कुछ हफ़्ते बाद हुआ है । पैनल ने उन्हें 12 महीनों में तीन बार ठिकाना बताने में नाकाम रहने के कारण लगाये गए डोपिंग आरोपों से मुक्त कर दिया था। पैनल ने इस बारे में कोई विवरण नहीं दिया कि वह किस तरह इस निष्कर्ष पर पहुंची कि हिमा की ओर से 'ठिकाने' संबंधी कोई चूक नहीं हुई है।चौबीस बरस की हिमा को पिछले साल नाडा ने 12 महीनों में तीन बार अपने ठिकाने के बारे में जानकारी नहीं देने के कारण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। मार्च में सुनवाई के बाद डोपिंग निरोधक अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने उन्हें बरी कर दिया था। वह 30 अप्रैल को बेंगलुरु में इंडियन ग्रां प्री एक में 200 मीटर स्पर्धा में फिर से उतरीं।

सम्पादकीय

भारत के लिए चुनौती बना बांग्लादेश

भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार 8 दिसंबर तक हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के विरुद्ध 2200 हिंसात्मक घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें हिंदुओं की हत्याएं भी शामिल हैं। बांग्लादेश सरकार का ध्यान जब इन घटनाओं की ओर आकर्षित किया जाता है तो वह दलील देती है कि यह हमारा आंतरिक मामला है और घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक है। बांग्लादेश में हालात खराब होते चले जा रहे हैंघ् इसके चलते दक्षिण एशिया में जो परिदृश्य बन रहा है, वह भारत के लिए चिंता का विषय है। पाकिस्तान तो 1947 से ही भारत विरोधी हिंसात्मक कार्रवाई कर रहा है। अफगानिस्तान को भारत ने बहुत आर्थिक मदद दी, परंतु उसका कोई विशेष सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। बांग्लादेश को हमने 1971 में स्वतंत्र कराया। शेख हसीना के कार्यकाल में ऐसा लगा कि हमारी पूर्वोत्तर की सीमाएं अब सुरक्षित रहेंगी और इस पड़ोसी देश से अच्छे संबंध बने रहेंगे, परंतु यह अध्याय भी 5 अगस्त 2024 को समाप्त हो गया, जब बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया और शेख हसीना को भारत में शरण लेनी पड़ी। बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन की अगुवाई जमाते इस्लामी, हिजबुत तहरीर और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के अलावा कई इस्लामी संगठन कर रहे थे। अमेरिका का एक प्रभावी वर्ग भी आंदोलनकारियों का समर्थन कर रहा था। लगता है हमारी खुफिया एजेंसी को इस षडयंत्र की भनक नहीं लगी। बांग्लादेश में इस समय एक अंतरिम सरकार चल रही है, जिसके मुख्य सलाहकार नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस हैं। तख्तापलट के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और विशेष तौर से हिंदुओं पर बराबर आक्रमण हो रहे हैं। मंदिरों को तोड़ा जा रहा है, संतों को प्रताड़ित किया जा रहा है, हिंदू अधिकारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया जा रहा है, महिलाओं का उत्पीड़न हो रहा है, उनके घरों में लूटपाट हो रही है। भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार 8 दिसंबर तक हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के विरुद्ध 2,200 हिंसात्मक घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें हिंदुओं की हत्याएं भी शामिल हैं। बांग्लादेश सरकार का ध्यान जब इन घटनाओं की ओर आकर्षित किया जाता है तो वह दलील देती है कि यह हमारा आंतरिक मामला है और घटनाएं सांप्रदायिक नहीं, बल्कि राजनीतिक है। क्या यह अजीब नहीं कि जब किसी देश में मोहम्मद साहब का कार्टून बनता है या कहीं कोई मस्जिद गिर जाती है, तब तो वह मामला वैश्विक हो जाता है और दुनिया भर के मुसलमान उस पर अपना विरोध प्रकट करते हैं, परंतु जब हिंदुओं के मंदिर तोड़े जाते हैं और उनका उत्पीड़न होता है तो यह संबंधित देश का आंतरिक मामला हो जाता है बांग्लादेश में कुछ घटनाओं के पीछे राजनीतिक कारण हो सकते हैं, क्योंकि वहां का अल्पसंख्यक वर्ग ज्यादातर अवामी लीग का समर्थन करता है, पर यह कहना गले के नीचे नहीं उतरता कि उन पर आक्रमण के पीछे सांप्रदायिक दुर्भावना नहीं है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी हाल में ढाका गए और उन्होंने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में विशेष तौर से मोहम्मद यूनुस से बात की, परंतु स्थिति में कोई परिवर्तन होता नहीं प्रतीत होता। उलटे हालात और बिगड़ते जा रहे हैं। भारत के लिए विशेष चिंता के तीन पहलू हैं। पहला तो यह कि बांग्लादेश में कट्टरपंथियों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। जमाते इस्लामी से प्रतिबंध हटा लिया गया है। पिछली सरकार ने जो कट्टरपंथी जेल में बंद कर रखे थे, उन्हें छोड़ दिया गया है। अंतरिम सरकार का समर्थन कर रहा हिजबुत तहरीर एक कट्टर इस्लामी संगठन है, जो दुनिया भर में खलीफा का साम्राज्य स्थापित करने में विश्वास करता है। दूसरा यह कि बांग्लादेश का झुकाव ही नहीं, बल्कि लगाव भी पाकिस्तान से होता जा रहा है। मोहम्मद यूनूस हाल में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से जिस गर्मजोशी से मिले, वह देखने लायक था। पाकिस्तान से समुद्री रास्ते से बांग्लादेश को सामान भी जाने लगा है, जो वर्षों से बंद था। पाकिस्तानी गायक ढाका आमंत्रित किए जा रहे हैं। तीसरा यह कि चीन अब बांग्लादेश में अपना जाल और तेजी से फैला सकता है। उसकी बेल्ट एंड रोड एनिशिएटिव योजना को और गति मिल सकती है। इसके अलावा बांग्लादेश सैन्य सामग्री चीन से खरीदने जा रहा है। बांग्लादेश की घटनाओं को देखते हुए भारत के समक्ष तीन आशंकाएं उभर रही हैं। पहली यह कि क्या बांग्लादेश में भी अफगानिस्तान की तरह कोई तालिबानी राज्य स्थापित हो जाएगा? दूसरी क्या बांग्लादेश फिर से पूर्वोत्तर के आतंकी- अलगाववादी संगठनों की शरणस्थली बन जाएगा? क्या बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी? इस समय वहां हिंदुओं की आबादी 7.95 प्रतिशत है। एक समय वह 20 प्रतिशत से अधिक थी। स्थिति काफी विषम है, परंतु हमें उसका समाधान तो ढूंढ़ना ही पड़ेगा। इतिहास साक्षी है कि अगर आपके पास आर्थिक और सैन्य शक्ति है तो आप किसी भी देश से निपट सकते हैं। भारत इन दोनों क्षेत्रों में अपनी सामर्थ्य तेजी से बढ़ा रहा है।

सक्रिय हों राज्य, सुधारों पर कदम बढ़ाने चाहिए

आधुनिक काल में गवर्नेंस से आशय केवल नियमों एवं नियमनों के प्रबंधन तक सीमित न रहकर व्यक्तियों एवं उद्यमियों के लिए एक अनुकूल परिवेश तैयार करने तक विस्तारित हो गया है। मोदी सरकार इस दिशा में आरंभ से ही गंभीरता के साथ सक्रिय रही है। जन विश्वास अधिनियम, 2023 इसका ही एक

उदाहरण है, जिसे प्रस्तावित जन विश्वास विधेयक 2.0 से नए आयाम दिए जाने की तैयारी है। जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से पहले ही 40 से अधिक आपराधिक प्रविधानों को हटाकर उनके स्थान पर कुछ आर्थिक हर्जाने और अपेक्षाकृत सुगम अनुपालनों की व्यवस्था की जा चुकी है। जन विश्वास अधिनियम 2.0 इस विजन को और आगे ले जाता है, जिसमें ऐसा ढांचा तैयार किया जा रहा है जिसमें नागरिकों एवं कारोबारियों को विरोधी के बजाय सहयोगी के रूप में देखने की मंशा है। शासन संबंधी ऐसे सुधार लालफीताशाही से मुक्ति दिलाने से परे तमाम मूर्त एवं अमूर्त फायदों का माध्यम भी बनते हैं। सबसे पहला लाभ तो यही कि ये अनुपालन आवश्यकताओं के बोझ को हटाकर उद्यमों को नवाचार एवं वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने में सहायक बनकर आर्थिक उत्पादकता को बढ़ाते हैं। खासतौर से छोटे उद्यमों एवं स्टार्टअप्स के लिए इन पहलुओं की बहुत उपयोगिता है, क्योंकि अक्सर उन्हें नियामकीय बाधाओं से दो-चार होना पड़ता है। दूसरा, नियमों के सुगम बनने से सरकार द्वारा उद्यमिता को प्रोत्साहन, आर्थिकी का विविधीकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जाता है। तीसरा, छोटे-मोटे मामले अदालती दायरे से बाहर ही सुलझ जाते हैं, जिससे न्याय की प्रक्रिया पर बोझ घटने से उसकी गति तेज होती है। चौथा लाभ यही कि इससे सरकार और नागरिकों के बीच भरोसे की बुनियाद मजबूत होती है कि सरकार उन्हें दंडित करने से अधिक उनकी साझेदारी को महत्व देती है। इन सुधारों के अमूर्त लाभ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

अंबेडकर भक्ति की होड़ और सियासी लाभांश की कसौटी

पीएम मोदी ने 14 अप्रैल 2016 को मुंबई में 'मेरीटाइम इन्वेस्टमेंट समिट' का उद्घाटन कहा था कि बाबासाहेब ने ही जल संसाधन, जल परिवहन और विद्युत से संबंधित दो महत्वपूर्ण संस्थाओं की नींव रखी थी। वे थीं - केंद्रीय जल, सिंचाई व जल परिवहन आयोग और सेंट्रल

टेक्निकल पॉवर बोर्ड संविधान निर्माण में महती भूमिका निभाने वाले भारत रत्न डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के अपमान और खुद को ज्यादा बड़ा अंबेडकर भक्त साबित करने की सियासी होड़ में यह सवाल मौजूं है कि क्या इससे सियासी पार्टियों को सच में कोई बड़ा और दीर्घकालीन राजनीतिक लाभांश मिल रहा है या मिल सकता है? या फिर मुद्दा भी वक्त के साथ नए और तात्कालिक मुद्दों की लहर में बह जाएगा? किसी भी मुद्दे के राजनीतिक लाभांश की असली कसौटी यही है कि वह सत्ता दिला सकने में कितना कारगर है।अंबेडकर का मुद्दा राजनीतिक शक्ति परीक्षण में कितना मददगार होगा, कहना अभी मुश्किल है। क्योंकि अंबेडकर को भगवान मानने वाले दलित समुदाय का मतदाता के रूप में व्यवहार चुनावों की प्रकृति के अनुसार अलग-अलग रहा है' वह परिस्थिति व वक्ती तकाजों के हिसाब से बदलता भी रहा है। लेकिन उम्मीद सभी को है। भाजपा भी राज्यसभा में अमित शाह के बयान के बाद अंबेडकर के अपमान के प्रति विपक्ष के हमलावर होने के खतरों को भांप रही है और हर मंच पर कांग्रेस द्वारा अंबेडकर को अपमानित करने तथा उन्हें नेहरू से महान बताकर डेमेज कंट्रोल करने की पूरी कोशिश कर रही है। इसी के तहत सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अंबेडकर को महान बताने और कांग्रेस द्वारा उनके अपमान को लेकर पत्रकार वार्ताएं की। सबसे ज्यादा चर्चा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुंदेलखंड, जहां दलितों की संख्या काफी है, के खजुराहो में महत्वाकांक्षी केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास के दौरान किए गए खुलासे की रही। उन्होंने कहा कि देश में जलशक्ति के महत्व को सबसे पहले बाबा साहब ने ही पहचाना था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस कथन में कितना तथ्य है, इस पर बहस हो सकती है। लेकिन एक पूर्व आईएएस अधिकारी व बी. आर. अंबेडकर विवि मुजफ्फरपुर बिहार के पूर्व कुलपति ए.के.बिस्वास ने 'फारवर्ड प्रेस' में लिखे एक लेख में बताया था कि भारत की जल संसाधन नीति की नींव बाबा साहब अंबेडकर ने ही रखी थी। डॉ. अंबेडकर 20 जुलाई 1942 से लेकर 29 जून 1946 तक तत्कालीन वाइसराय कार्यकारी परिषद् के श्रम सदस्य थे। इस दौरान उन्होंने देश के जल संसाधनों का सभी के हित में समुचित दोहन करने हेतु एक नई जल व विद्युत नीति का खाका तैयार किया था। उनकी मान्यता थी कि इस सन्दर्भ में अमेरिका की टेनेसी वैली परियोजना भारत के लिए आदर्श हो सकती है। बाबा साहब का कहना था कि नदियों पर बहुउद्देशीय परियोजनाओं का निर्माण किया जाना चाहिए, जिससे सिंचाई और विद्युत उत्पादन दोनों हो सके। इस तरह की परियोजनाओं से अकाल और बाढ़ को रोका जा सकेगा और देश की गरीब जनता का जीवन स्तर सुधारने में मदद मिलेगी। इसके पूर्व पीएम मोदी ने 14 अप्रैल 2016 को मुंबई में 'मेरीटाइम इन्वेस्टमेंट समिट' का उद्घाटन कहा था कि बाबासाहेब ने ही जल संसाधन, जल परिवहन और विद्युत से संबंधित दो महत्वपूर्ण संस्थाओं की नींव रखी थी। वे थीं - केंद्रीय जल, सिंचाई व जल परिवहन आयोग और सेंट्रल टेक्निकल पॉवर बोर्ड। डॉ. अंबेडकर भारत की जल संसाधन एवं नदी परिवहन नीति के निर्माता भी हैं। सन् 1944-46 की अवधि में तत्कालीन श्रम विभाग ने जिन नदी घाटी परियोजनाओं को लागू करने पर सक्रियता से विचार किया, उनमें शामिल थीं - दामोदर, सोन, महानदी (हीराकुंड), कोसी, चम्बल व दक्षिण की नदियों से संबंधित परियोजनाएं। जाहिर है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना के जरिए पीएम ने एक नया नरेटिव सेट करने की कोशिश की है, जो भाजपा द्वारा बाबा साहब के अपमान के आरोप के संदर्भ में दूरगामी कहा जा सकता है। भाजपा यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि कांग्रेस व विपक्षी दल कुछ भी आरोप लगाते रहें, हकीकत में बाबा साहब के सपनो को भाजपा और एनडीए ही साकार कर रहे हैं। हालांकि यह तर्क दलित समुदाय की अंबेडकर के प्रति अगाध आस्था को कितना संतुष्ट करेगा, कहना मुश्किल है। अंबेडकर इस देश के महापुरूष हैं, इसमें दो राय नहीं। इसी के साथ वह महान समाज सुधारक और अर्थ तथा कानून विद भी थे। लेकिन पिछले दिनो राज्य सभा में 'संविधान पर विशेष चर्चा' पर बोलते हुएऋ केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह कहकर इस मुद्दे को नया और विवादित मोड़ दे दिया कि आप रात दिन अंबेडकर-अंबेडकर जपते हो। इतनी बार भगवान का नाम जपा होता तो स्वर्ग मिल जाता। अति उत्साह में की गई इस टिप्पणी ने विपक्ष को नया सियासी हथियार दे दिया है। उसे लगता है कि इससे दलितों की भावनाएं आहत हुई हैं और इसी कारण दलित वोट भाजपा से छिटक सकता है, जो व्यापक हिंदू एकता के छाते में कुछ हद तक भाजपा के पास चला गया था। जबकि भाजपा अभी भी अपने इस आरोप पर कायम है कि कांग्रेस ने कभी भी बाबा साहब का सम्मान नहीं किया, उलटे उन्हें अपमानित ही किया। भाजपा के पलटवार से बहस एक नई दिशा में जाती दिख रही है कि क्या अंबेडकर का व्यक्तित्व और कृतित्व भगवान से बड़ा है या फिर भगवान अंबेडकर से बड़े हैं। अंबेडकर भगवान से बड़े हों या नहीं, लेकिन इतना तय है कि दलित और दमित समाज के लिए वो भगवान के बराबर तो हैं ही। क्योंकि उन्होंने सदियों से शोषित इस समाज को सामाजिक समता और मुक्ति का रास्ता दिखाया। उन्हे मानवीय और संवैधानिक अधिकार दिलवाए। बहरहाल डॉ. अंबेडकर के मान अपमान पर केन्द्रित इस सियासी लड़ाई के दो मुख्य पात्र है। कांग्रेस और भाजपा तथा उनकी सहयोगी पार्टियां। दोनो ही एक दूसरे पर अंबेडकर के प्रति आदरभाव को लेकर कथनी और करनी में अंतर के आरोप लगा रहे हैं। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस ने केवल एक परिवार को उठाने के लिए अंबेडकर के योगदान को बार-बार नकारा तो कांग्रेस का कहना है कि भाजपा अंबेडकर का नाम भले जपती रहे, उसकी असल मंशा देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की है, जो दलितों को कभी स्वीकार नहीं होगा। कांग्रेस ने ही दलितों को उनके अधिकार दिए हैं। कांग्रेस की इस उम्मीद का कारण पिछले लोकसभा चुनाव में दलित वोटों की कांग्रेस की तरफ वापसी है। हालांकि विधानसभा चुनाव में यही ट्रेंड नहीं दिखा। गौरतलब, है कि 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में दलितों की आबादी 16.6 प्रतिशत यानी लगभग 20 करोड़ है। इसमें भी तीन चौथाई दलित गांवों में और एक चौथाई शहर में रहते हैं। कई राज्यों में दलितों के हाथ सत्ता की चाबी है। इसलिए भाजपा और कांग्रेस समेत सभी पार्टियां चाहती है कि दलितों का वोट उनके पक्ष में पड़े। यह बाबा साहब अंबेडकर के प्रति श्रद्धाभाव से ही संभव है। अगर लोकसभा ही बात करें तो कुल 543 सीटों में से दलितों के लिए 84 सीटें आरक्षित हैं। 2019 के लोस चुनाव में भाजपा ने 46 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीती थीं। बाकी सीटें अन्य पार्टियों को मिली थीं। लेकिन 2024 में दलित वोट बैंक भाजपा से खिसक गया। भाजपा केवल 29 सीटें जीत पाई तो कांग्रेस की दलित आरक्षित सीटों की संख्या बढ़कर 20 यानी तिगुनी हो गईं। इसका परिणाम यह हुआ कि भाजपा अपने दम पर बहुमत से काफी पीछे रह गई। कांग्रेस को उम्मीद है कि बाबा साहब अंबेडकर के अपमान का मुद्दा दलितों को बड़े पैमाने पर उद्वेलित कर सकता है और वो आने वाले समय में कांग्रेस और एनडीए के पक्ष में मतदान करेंगे। लेकिन इसमे पेंच यह है कि आज सार्वजनिक तौर पर इस देश में कोई भी पार्टी बाबा साहब के खिलाफ नहीं है। यानी महात्मा गांधी की तरह अब अंबेडकर भी देश में राजनीतिक और सामाजिक रूप से सर्वस्वीकार्य हैं। ऐसे में अंबेडकर भक्ति सभी मुद्दों पर हावी हो और सत्ता संघर्ष में निर्णायक बने, यह जरूरी नहीं है। अगर राजनीतिक लाभांश की कसौटी पर मुद्दे खरे नहीं उतरते तो राजनीति पार्टियां उन्हें दरकिनार करने में भी संकोच नहीं करतीं।

हिंदी पर फिर संकीर्णता का प्रदर्शन, दक्षिण के नेताओं का विरोध क्यों

यह एक तथ्य है कि हिंदी विरोध के बाद भी तमिलनाडु में पिछले 10 वर्षों में हिंदी सीखने वालों की संख्या दोगुने से भी ज्यादा बढ़ी है। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के मुताबिक तमिलनाडु में 2009 में जहां हिंदी सीखने वालों की संख्या 2.18 लाख थी वहीं 2019 में यह बढ़कर 5.90 लाख हो गई। स्पष्ट है कि हिंदी के विकास के लिए प्रोत्साहन की जरूरत नहीं है। हाल में हिंदी के विरोध का स्वर फिर से उठा। यह संसद में तब उठा, जब भारतीय वायुयान विधेयक नाम से एक बिल पेश किया गया। केंद्र सरकार के इस कदम को गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी थोपने का प्रयास बताया गया। इसके पहले भारतीय न्याय संहिता से संबंधित अधिनियमों के नामकरण का भी विरोध किया गया था। तमिलनाडु में डीएमके की राजनीति मुख्यतः हिंदी विरोध पर केंद्रित रही है। उसकी देखादेखी अन्नाद्रमुक भी हिंदी विरोध को अपनी राजनीति का हथियार बनाती है। पिछले दिनों अन्नाद्रमुक ने एक प्रस्ताव पारित कर कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कानूनों का नाम हिंदी और संस्कृत में रखना अप्रत्यक्ष रूप से हिंदी थोपना है। तमिलनाडु की तरह कर्नाटक में भी कभी-कभार हिंदी विरोध के स्वर सुनाई दे जाते हैं। हिंदी थोपने जैसा शब्द प्रयोग करना हिंदी विरोधियों के लिए एक मुहावरे की तरह है, जबकि हिंदी भाषा की उत्पत्ति शासकीय नहीं, बल्कि जन आकांक्षाओं की भाषा के रूप में सामने हुई थी। इसलिए जिन राज्यों में इसका विरोध अधिक हो रहा है, वहां सरकारें शासकीय संस्थानों एवं नाम पेटिकाओं पर से तो हिंदी को मिटा सकती हैं, लेकिन रोजमर्रा के जीवन में हिंदी के प्रयोग को लोगों की जुबान से नहीं हटा सकतीं। यह एक तथ्य है कि हिंदी विरोध के बाद भी तमिलनाडु में पिछले 10 वर्षों में हिंदी सीखने वालों की संख्या दोगुने से भी ज्यादा बढ़ी है। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के मुताबिक तमिलनाडु में 2009 में जहां हिंदी सीखने वालों की संख्या 2.18 लाख थी, वहीं 2019 में यह बढ़कर 5.90 लाख हो गई। स्पष्ट है कि हिंदी के विकास के लिए प्रोत्साहन की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह स्वतः अपना स्थान बना रही है। इससे यह भी साफ होता

है कि हिंदी का विरोध करने वाले राज्यों में यह राजनीतिक दलों की संकीर्णता का परिचायक है, न कि वहां रहने वाले लोगों के विरोध का। इन राज्यों के राजनीतिक दल रोजगार के मुद्दे पर अपनी असफलता को हिंदी विरोध के नाम पर दबाने की कोशिश करते हैं। यह ठीक उसी तरह की प्रवृति है, जिस तरह चुनावों में अपनी हार का ठीकरा कुछ राजनीतिक दल ईवीएम पर फोड़ते हैं। वस्तुतः हिंदी भाषा आज बिना किसी सरकारी प्रोत्साहन के उन राज्यों में भी जनसंपर्क की भाषा बन चुकी है, जो कभी इसका विरोध करते थे। हिंदी का यह विस्तार किसी सरकार नहीं, अपितु जन सरोकार की बदौलत हुआ है। आज यह जन भाषा के रूप में श्रमिकों की भाषा के रूप में विस्तार कर रही है। हिंदी विरोधी जाने-अनजाने अंग्रेजी को मजबूत करने की वकालत ही करते हैं, जो एक साम्राज्यवादी भाषा है। यदि हिंदी उनकी जनआकांक्षाओं को अभिव्यक्त नहीं कर सकती, तो अंग्रेजी कैसे कर सकती है, क्योंकि भाषा केवल भाषा नहीं होती है, बल्कि वह बोलने वालों की लोकोक्तियों एवं मुहावरों के माध्यम से सामाजिक परंपरा की जीवंत संचय राशि भी होती है। भारत के कुछ राष्ट्रीय चरित्र जैसे राम आदि का वर्णन अलग-अलग भाषाओं में हुआ है। यह एका दिखाता है कि भारत में भले ही भाषाएं अलग-अलग हैं, लेकिन उनका मूल भाव एक है। इसीलिए बहुत सारी भाषाओं में एक आपसी अंतर्संबंध भी मिलता है। इसलिए किसी भारतीय भाषा का विरोध करके अंग्रेजी का समर्थन करना मात्र नहीं है, बल्कि अपनी परंपरा को भी नष्ट करना है। यह कभी भी राष्ट्र के लिए उचित नहीं होगा, क्योंकि भाषाएं जब गुम होती हैं, तो केवल भाषा नहीं गुम होती है, बल्कि उसे बोलने वालों का अपना इतिहास भी गुम हो जाता है। भाषा किसी भी देश के अतीत को जानने का एक साधन होती है। भारतीय भाषाएं साम्राज्यवाद की भाषा नहीं हैं, बल्कि जनमानस की भाषा हैं। इसलिए बिना प्रोत्साहन के भी ये भाषाएं अभी भी जीवंत हैं। हिंदी भाषियों को भी अन्य भाषियों से मेलजोल बढ़ाना चाहिए, उनके साहित्य को पढ़ना चाहिए और अन्य भाषा भाषियों को भी हिंदी भाषा के साहित्य की ओर एक पूर्वाग्रही होकर नहीं, बल्कि साहित्यानुरागी होकर जुड़ना होगा। अस्मिताओं के इस दौर में भाषा एक महत्वपूर्ण अस्मिता है। पहले जहां भाषा को एक जुबान के रूप में ही समझा जाता था, वहीं अब यह पहचान के रूप में भी समझी जाती है। आज भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम ही नहीं, अपितु बोलने वाले समूह के अस्तित्व का पर्याय भी है। किसी समूह की हैसियत उसकी भाषा द्वारा भी तय होती है। हमारे यहां कोई एक भाषा पूर्ण रूप से पूरे भारत में लागू नहीं रही है, बल्कि यहां भाषा एक प्रतिरोध की संस्कृति के परिचायक के रूप में रही है। जैसे यदि सत्ता संस्कृत का प्रयोग करती था तो जनता पाली-प्राकृत। जब सत्ता पाली-प्राकृत का प्रयोग करने लगी, तब जनता अपभ्रंश बोलने लगी। फिर जब सत्ता फारसी का प्रयोग करने लगी, तब जनता हिंदी बोलने लगी। इस प्रकार हमारे यहां शासक की भाषा और जन भाषा में सदैव एक अंतर दिखाई पड़ता है। हिंदी भाषा कभी भी साम्राज्यवादी भाषा नहीं रही है। यह वंचितों-पीड़ितों की भाषा है। यह आम जनमानस की भाषा है। यह जनआकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है। हिंदी का भाषा के रूप में भविष्य उज्ज्वल है। इसलिए तमिलनाडु, कर्नाटक के दलों को हिंदी विरोध करने से पहले अपने राज्य के आम जनमानस की राय लेनी चाहिए, ताकि उन्हें अपनी संकीर्णता और हिंदी की लोकप्रियता का पता चले।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

हल्दीराम स्किल अकादमी का दीक्षांत समारोह संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक नोएडा। स्किल इंडिया के तहत मल्टी कुजीन कुक और फैशन टेक्नोलॉजी के छात्रों के लिए सेक्टर 127 में स्थित हल्दीराम स्किल अकादमी के दीक्षांत समारोह में चेयरमैन मनोहर लाल अग्रवाल ने कोर्स पूरा करने वाले बच्चों को प्रमाणपत्र वितरित किए। इस मौके पर हल्दीराम के चेयरमैन मनोहर लाल अग्रवाल ने बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इससे पहले समारोह की शुरुआत अभिनन्दन भाषण से हुई। इसके बाद चेयरमैन अग्रवाल के साथ अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद मल्टीकुजीन कुक और फैशन टेक्नोलॉजी के एक सौ से अधिक छात्रों को अतिथियों ने प्रमाणपत्र वितरित किए। इस मौके पर हल्दीराम एजुकेशनल सोसाइटी की निदेशक सुश्री रीता कपूर ने इस युग में कौशल के महत्व पर जोर दिया और छात्रों से कहा कि सकारात्मक मानसिकता के साथ चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों पूरे जीवन सीखने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने इस पहल की अगुवाई करने और समाज के लिए सार्थक योगदान देने के लिए प्रमोटरों और एचएसए को धन्यवाद दिया। राष्ट्रगान के साथ दीक्षांत समारोह का समापन हुआ। समारोह में हल्दीराम के चेयरमैन मनोहर लाल अग्रवाल के अलावा एमडी न्यूक्लियस सॉफ्टवेयर योगेश एंडले, महिला एवं बाल विकास विभाग एमपी के सहायक निदेशक डॉ. शालीन शर्मा, एमिटी यूनिवर्सिटी फॉर पब्लिक हेल्थ एंड एडमिनिस्ट्रेशन में सहायक प्रोफेसर सुश्री पूर्णिमा सूर्यनाथ सिंह, अदार फाउंडेशन के संस्थापक सुश्री विभा अनेजा, हल्दीराम की निदेशक सुश्री प्रीति अग्रवाल, सेवानिवृत्त डीजीपी चंडीगढ़ प्रदीप श्रीवास्तव, ज्ञानश्री स्कूल की प्रधानाचार्य सुश्री प्रियंका भटकोटीके अलावा हल्दीराम, केयर लीवर्स इनर सर्कल, एचएसए, सहायक एनजीओ और तमाम छात्रों के परिजन मौजूद रहे।उल्लेखनीय है कि इस अकादमी की शुरूआत अप्रैल 2023 में मल्टी कुजीन कुक और फैशन टेक्नोलॉजी (एटीडीसी) कार्यक्रमों के साथ शुरू हुई। अब तक 350 छात्रों ने अपना कोर्स पूरा करने के बाद हल्दीराम, नाथूस, शाही एक्सपोर्ट्स, ज़ारा, बीकानेरवाला और इसी तरह के विभिन्न ब्रांडेड प्रतिष्ठानों में जॉब हासिल कर चुके हैं।

सिओ पिपरी ने थाने का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) सोनभद्र। गुरुवार को क्षेत्रधिकारी पिपरी अमित कुमार द्वारा थाना अनपरा का निरीक्षण किया गया स्थलीय निरीक्षण में बिल्डिंगों की साफ सफाई और मेस का निर्माण व मरम्मत आवासीय परिसरों की साफ सफाई आदि का निर्देश दिया गया। थाना परिसर में खड़े तमाम वाहनों के निस्तारण हेतु पूरी जानकारी कर कार्रवाई हेतु कहा गया ।तत्पश्चात अभिलेखों को देखते हुए सभी रजिस्टरों को पूरा करने उनका रखरखाव अच्छा रखना फसलों की साफ सफाई उनका रिकॉर्ड अच्छा किए जाने अधिक तमाम हिदायतें की गई साथ ही। मुकदमों के शीघ्र निस्तारण महिला अपराधों में त्वरित कार्यवाही और निष्पक्ष पूर्ण ढंग सख्त पुलिसिंग करने के निर्देश दिए गए।

क्रिकेट मैच का पहला मुकाबला दुद्धी और ओबरा के बीच सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) सोनभद्र। विधायक खेल महाकुंभ 2024.25 के गुरुवार को पहले दिन

क्रिकेट मैच का पहला मुकाबला दुद्धी और ओबरा के बीच, विधायक भूपेश चौबे , सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ,नगवा ब्लाक प्रमुख आलोक सिंह , डा 0 प्झ् शिंह व भाजपा जिला मंत्री संतोष शुक्ला के द्वारा टॉस करा कर मैच का शुभारंभ किया गया ,दुद्धी की टीम ने टॉस जीत कर पहले क्षेत्र रक्षण करने का निर्णय लिया ओबरा कि टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने निर्धारित 20 ओवर में अपना 3 विकेट खो कर193रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया ,ओबरा के तरफ से ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए सिद्धांत ने 51 गेंदों का सामना करते हुए 90 रन बनाए,साथ ही रोशन जी भी 39 गेंदों का सामना करते हुए 56 रनों का स्कोर बनाया, जवाब में दुद्धी की टीम ने विशाल स्कोर का पीछा करते हुए 19.4 ओवर में मात्र 163 रन ही बना सकी,दुद्धी की तरफ से स्कोर का पीछा करते हुए सागर जी ने 58 गेंदों पे शानदार 107 रन बना कर भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके,ओवरा ने यह मैच 30 रनो जीत कर टूनामेंट में अपनी बढ़त बना ली है,अपनी टीम को जीत दिलाने वाले सिद्धार्थ जी को भाजपा जिला महामंत्री श्री कृष्ण मुरारी गुप्ता जी के हाथों से मैंन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।।

भीड़-भाड़ वाले बाजारो में मौका पाकर लोगो के मोबाइल फोन चोरी करने वाले 5 बाल अपचारियो को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक नोएडा। नोएडा थाना फेस-2 नोएडा पुलिस द्वारा गोपनीय सूचना व लोकल इंटेलिजेंस की सहायता से भंगेल सब्जी मण्डी से मोबाइल फोन चोरी करने वाले 2 बाल अपचारियों को अभिरक्षा में लिया गया। जिनके कब्जे से चोरी के भिन्न-2 कम्पनी के 30 कीमती मोबाइल फोन बरामद किये गये। अभिरक्षा में लिये गये बाल अपचारियों की निशादेही पर इनके 3 अन्य साथी बाल अपचारियों को अभिरक्षा में लिया गया, जिनके कब्जे से चोरी के भिन्न-2 कम्पनी के 27 कीमती मोबाइल फोन को बरामद किये गये। सभी बाल अपचारी एनसीआर क्षेत्र में भीड़-भाड़ वाले बाजारो, सब्जी व फलो की मण्डियों व साप्ताहिक बाजारो में मौका पाकर लोगो के कीमती मोबाइल फोन चोरी करते थे और चोरी के मोबाइल फोन सस्ते दामों पर बेच देते थे। 1.यह सभी बाल अपचारी नियमित रूप से लगने वाली मण्डी तथा साप्ताहिक बाजार में आने वाले ग्राहक विशेषकर महिलाओं को टारगेट करते थे। 2.यह सभी बाल अपचारी ग्राहकों का ध्यान भंग होने की प्रतीक्षा करते थे तथा थोड़ी सी भी चूक होने पर तुरन्त मोबाइल लेकर गायब हो जाते थे। 3.यह सभी बाल अपचारी समूह में कार्य करते थे तथा मोबाइल चुरा लेने के उपरान्त पकड़े जाने की सम्भावना की आशंका होते ही अपने दूसरे साथी को मोबाइल पकड़ा देते थे। 4.यह सभी बाल अपचारी काफी मात्रा में मोबाइल एकत्र हो जाने के उपरान्त दूरस्थ स्थानों पर जाकर औने-पौने दाम में बेच देते थे। 5.यह सभी बाल अपचारी बिना अभिभावक के ही जनपद में आगमन करते है तथा मकान मालिक को कोई भी झूठी कहानी बताकर टोकन मनी देकर किराये का कमरा ले लेते हैं तथा ठेले इत्यादि पर खाना खाते हैं। 6.यह सभी बाल अपचारी पकड़े जाने के डर से एक जगह न रहकर निरंतर स्थान बदलते रहते हैं तथा एक जगह टिक कर नही रहते। 7.यह सभी बाल अपचारी भारी मात्रा में मोबाइल फोन चोरी कर लेने के उपरान्त 3 से 4 दिन में ट्रेन के माध्यम से चोरी के मोबाइल बेचने के लिये दूरस्थ स्थानों पर चले जाते हैं। 8.इन सभी बाल अपचारी का कोई निश्चित ग्राहक नही होता हैं बल्कि यह मोल तोल करके जहां भी इनको अधिक दाम मिलता है वही बेच देते हैं। 9.यह सभी बाल अपचारी अनपढ़/कम पढे ल़िखे है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

सोनू सूद को मिल चुके हैं सीएम सहित कई बड़े राजनीतिक पदों के ऑफर, इस वजह से अभिनेता ने कर दिया इनकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गरीबों के मसीहा' के रूप में लोकप्रिय हो चुके सोनू सूद अपनी आगामी फिल्म 'फतेह' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें कई राजनीतिक पदों की पेशकश की जा चुकी है, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।सोनू सूद अपने नेक कामों की वजह से नेशनल हीरो बन चुके हैं। दिन हो या रात जरूरतमंदों की मदद के लिए वे हमेशा तैयार रहते हैं। साल 2020 में कोविड लॉकडाउन के दौरान उन्होंने प्रवासी श्रमिकों की मदद की। इतना ही नहीं, उस मुश्किल वक्त में देश-दुनिया में फंसे लोगों की मदद के लिए अभिनेता ने अपनी प्रॉपर्टी तक गिरवी रख दी थी। हाल ही में सोनू सूद ने खुलासा किया है कि उन्हें राजनीति में आने के लिए प्रस्ताव मिल चुके हैं। मगर, खुद उन्होंने ही इसके लिए इनकार कर दिया। अभिनेता सोनू सूद ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री तक बनने के ऑफर मिल चुके हैं। हाल में ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ बातचीत में सोनू सूद ने जिक्र किया कि उन्हें पॉलिटिक्स में आने के लिए कई बढ़िया पेशकश हुई हैं। सीएम और डिप्टी सीएम के ऑफर के अलावा उन्हें राज्यसभा में भी सीट का भी प्रस्ताव पेश किया गया। लेकिन, उन्होंने साफ इनकार कर दिया। इसकी वजह भी उन्होंने बताई है। सोनू सूद ने खुलासा किया कि उनसे कई बड़े और महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों के लिए संपर्क किया गया। एक्टर ने कहा, 'मुझे मुख्यमंत्री का पद ऑफर किया गया है। जब मैंने मना कर दिया, तो उन्होंने कहा, 'तो फिर उपमुख्यमंत्री बन जाओ'। ये देश के बहुत प्रभावशाली लोग थे जिन्होंने मुझे राज्यसभा में सीट देने की भी पेशकश की। उन्होंने मुझसे कहा, 'राज्यसभा की सदस्यता ले लो। हमारे साथ जुड़ जाओ। तुम्हें राजनीति में आने के लिए किसी चीज के लिए लड़ने की जरूरत नहीं है। यह वाकई एक रोमांचक दौर है जिंदगी का, जब ऐसे ताकतवर लोग आपसे मिलना चाहते हैं और आपको दुनिया में बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं'। अभिनेता का कहना है जब आपको लोकप्रियता मिली शुरू होती है तो जिंदगी में आप और ऊपर उठने लगते हो, लेकिन जितनी ज्यादा ऊंचाई पर जाएंगे, वहां ऑक्सीजन का स्तर कम होता है। हम ऊपर उठना चाहते हैं, ये ठीक है लेकिन हम वहां कितनी देर टिके रह सकते हैं? लोगो ने मुझसे कहा कि बड़े-बड़े कलाकार ऐसे प्रस्तावों का सपना देखते हैं और तुम इनकार कर रहे है। सोनू सूद ने राजनीति में कदम न रखने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, 'लोग दो कारणों से पॉलिटिक्स में आते हैं। एक सत्ता के लिए और या पैसा कमाने। मुझे इनमें रुचि नहीं। अगर लोगों की मदद करने की बात है तो वो मैं पहले से ही कर रहा हूं। राजनीति में आने के बाद मुझे किसी के प्रति जवाबदेह होना पड़ेगा और मेरी स्वतंत्रता खो जाएगी। सिर्फ यही बात है जिससे मैं डरता हूं'।

'गेम चेंजर' के प्रचार में हुई कियारा आडवाणी से चूक, हो गईं ट्रोल, उठाना पड़ा ये कदम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कियारा आडवाणी ने बीते दिन अपनी अगली फिल्म 'गेम चेंजर' के नए गाने 'धोप' के पर्दे के पीछे का वीडिया साझा किया। हालांकि, इसमें उनकी एक चूक पर ट्रोल्स ने उन्हें आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया। अब अभिनेत्री को बड़ा कदम उठाते देखा गया है। कियारा आडवाणी अपनी अगली फिल्म 'गेम चेंजर' को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वह साउथ सुपरस्टार राम चरण के साथ नजर आएंगी। हालांकि, बीते दिन उन्हें अपनी एक पोस्ट के लिए जबर्दस्त आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। दरअसल, अभिनेत्री ने फिल्म से जुड़े गाने 'धोप' के पर्दे के पीछे का वीडिया साझा किया, लेकिन इसमें वह जानी मास्टर का जिक्र करतीं और उनके कोरियोग्राफी की सराहना करतीं नजर आईं। यही बात नेटिजन्स को रास नहीं आई। ट्रोल्स ने अभिनेत्री को आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया। इसके बाद कियारा भी बड़ा कदम उठाती देखी गईं। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में जानी मास्टर का जिक्र करने के बाद कियारा आडवाणी को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अभिनेत्री ने राम चरण के साथ 'गेम चेंजर' के गाने 'धोप' के लिए उनकी कोरियोग्राफी की सराहना की। इस कैप्शन को लेकर उन्हें ट्रोल किया गया। जानकारी हो कि जानी मास्टर को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पोस्को) सहित विभिन्न धाराओं के तहतकई मामलों के तहत सितंबर में गिरफ्तार किया गया था।स्ट के लिए आलोचना का सामना करने के बाद, कियारा ने कैप्शन को एडिट किया। उन्होंने पहले लिखा था, 'मुझे याद है कि मैं जानी मास्टर की कोरियोग्राफी को देखती थी और सोचती थी कि हम यह कैसे करेंगे, लेकिन यह हमारे काम की खूबसूरती है, हमेशा कुछ नया सीखना।' हालांकि, अभिनेत्री ने अब जानी मास्टर का नाम अपनी पोस्ट के कैप्शन से हटा दिया है।

जानी मास्टर के नाम से मशहूर शेख जानी बाशा को सितंबर 2024 में बेंगलुरु में गिरफ्तार किया गया था। एक 21 वर्षीय महिला कोरियोग्राफर ने उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने आरोप लगाया कि जानी मास्टर ने 2020 में (जब वह 17 साल की थीं) मुंबई की एक काम से जुड़ी यात्रा के दौरान उनका यौन उत्पीड़न किया और यौन उत्पीड़न जारी रखा और किसी को भी न बताने की धमकी दी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह 2017 में कोरियोग्राफर के संपर्क में आईं और 2019 में वह उनकी सहायक बन गईं।गेम चेंजर' का निर्देशन शंकर ने किया है। यह फिल्म 10 जनवरी 2025 को तेलुगु, तमिल और हिंदी में रिलीज होगी। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस, दिल राजू प्रोडक्शंस और जी स्टूडियो के बैनर तले दिल राजू और सिरीश द्वारा निर्मित इस फिल्म में कियारा आडवाणी और राम चरण के अलावा अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत और समुथिरकानी जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

जब यह रोल करके दो-तीन दिनों तक नहीं नहाए अनिल कपूर, बड़े भैया बोनी कपूर ने सुनाया मजेदार किस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बोनी कपूर हाल ही में अपने छोटे भाई अनिल कपूर के अभिनय के प्रति जुनून के बारे में बात करते दिखे। उन्होंने अभिनेता से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी सुनाया।अनिल कपूर ने इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाई है। 68 की उम्र में भी वे गजब की फिटनेस के लिए जाने जाते हैं। बीते वर्ष दिसंबर में उन्होंने 'एनिमल' में धमाल मचाया तो इस साल जनवरी में फिल्म 'फाइटर' में दिखे। हाल ही में उनकी फिल्म 'सूबेदार' का एलान हुआ है। अनिल कपूर के भीतर अभिनय का जुनून है और वे बचपन से ही अभिनय की दुनिया में आना चाहते थे। इसका खुलासा उनके बड़े भाई बोनी कपूर ने किया है। उन्होंने अनिल कपूर से जुड़ा एक वाकया याद किया है।बोनी कपूर ने बताया कि एक बार ऐसा हुआ था कि अनिल कपूर दो-तीन दिनों तक नहीं नहाए थे। यहां तक कि मुंह भी नहीं धोया। इसके पीछे वजह थी। उन्होंने शशि कपूर के चाइल्ड वर्जन का किरदार अदा किया। इसके बाद दो-तीन दिन इसलिए नहीं नहाए कि कहीं मेकअप ने हट जाए। उनका कहना है था कि सबको पता चलना चाहिए कि 'अब मैं एक्टर बन गया हूं'।

भूल भुलैया 3 के लिए फैंस का इंतजार खत्म, अब घर बैठे ओटीटी पर देख सकेंगे फिल्म

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन के प्रशंसकों के लिए एक खुशखबरी है। अब उनकी पसंदीदा हॉरर-कॉमेडी सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद ओटीटी पर रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म अब जल्द ही नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी, जानिए कब देख

फिल्म भूल भुलैया 3 जल्द ही ओटीटी पर उपलब्ध होगी। जानिए कब और कहां देख सकेंगे फिल्म।अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित फिल्म भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी ने अपनी अदाकारी से सभी का दिल जीत लिया। वहीं अब फिल्म सकेंगे हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3।सिनेमाघरों में रिलीज होने के लगभग दो महीने बाद, कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 अब ऑनलाइन रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी। बुधवार को नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर करते हुए संकेत दिया कि भूल भुलैया 3 का प्रीमियर 27 दिसंबर को होगा।नेटफ्लिक्स ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें कार्तिक आर्यन को एक कैमरे की तरफ भागते हुए देखा जा सकता है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, ठऊळअळश्: कार्तिक आर्यन के पास आपके लिए एक क्रिसमस सरप्राइज है! जल्द ही आ रहा है अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित, भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म में भरपूर हॉरर-कॉमेडी का डोज मिलेगा। भूल भुलैया 3 को सभी से मिली-जुली समीक्षा मिली है। इसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों रुपये की कमाई की और कई रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कराए।फिल्म भूल भुलैया 3, हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया की तीसरी किस्त है। फिल्म दर्शकों को बेहद पसंद आई। अब फिल्म सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर रिलीज के लिए तैयार है, जिसका प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कैटरीना कैफ-विक्की कौशल ने मनाई क्रिसमस पार्टी, दिखा प्यारा सांता क्लॉज, तोहफों के साथ लिखा नोट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कैटरीना कैफ और

विक्की कौशल ने परिवार के साथ क्रिसमस मनाया। सेलिब्रेशन की कई शानदार तस्वीरें कैटरीना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। साथ ही कैटरीना ने अपने प्रशंसकों के लिए एक खास नोट भी लिखा है। प्रशंसक भी कैटरीना की इस प्यारी पोस्ट पर अपना प्यार बरसा रहे हैं।विक्की कौशल और कैटरीना कैफ बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा कपल्स हैं। इन दोनों ने भी क्रिसमस मनाया और जमकर पार्टी की। दोनों ने दिल को छू लेने वाली तस्वीरों के साथ क्रिसमस की शुभकामनाएं दी हैं। इस साल, छावा अभिनेता ने कैटरीना के परिवार के साथ क्रिसमस का जश्न मनाया। सोशल मीडिया पर ये तस्वीरें वायरल हो रही हैं। प्रशंसक अपने पसंदीदा जोड़े को खूबसूरत क्रिसमस ड्रेस में देखकर बेहद खुश हैं और लगातार उन्हें कमेंट कर रहे हैं। कैटरीना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर क्रिसमस की कई लाजवाब तस्वीरों को शेयर किया है। पहली तस्वीर में, उन्होंने अपनी बहनों के साथ पोज दिया। कैटरीना लाल स्वेटर में काले पैंट और एक प्यारे काले रंग की टोपी में बेहद प्यारी दिख रही थीं। विक्की ने भी इंस्टाग्राम पर अपनी और कैटरीना की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की और लिखा, 'मैरी क्रिसमस'इस तस्वीर में कैटरीना अपनी बहन के साथ मस्ती करती नजर आ रही है। इसके अलावा क्रिसमस पर कैटरीना की बहन ने बेहद ही प्यारा कार्ड दिया और साथ ही ढ़ेर सारे गिफ्ट्स भी।तीसरी तस्वीर में रोशनी से सजे और गिफ्ट से घिरे एक खूबसूरती से सजाए गए क्रिसमस ट्री की झलक दिखाई दी। एक और तस्वीर में कैटरीना को क्रिसमस-थीम वाले घर के अंदर अपनी बहनों के साथ कॉफी का आनंद लेते हुए दिखाया गया। खूबसूरती से तैयार किए गए क्रिसमस केक और ङ्खहैप्पी क्रिसमस, सिस्टरङ्ग की शुभकामनाओं वाला एक कार्ड भी दिखाई दिया।

पहले दिन ही फेल हुई 'बेबी जॉन', 'मुफासा'-'पुष्पा 2' को नहीं दे सकी मात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों कई फिल्में प्रदर्शित हो रही हैं। क्रिसमस डे के मौके पर रिलीज हुई 'बेबी जॉन' की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर अच्छी नहीं रही है। वहीं, मुफासा और पुष्पा 2 का जलवा टिकट खिड़की पर कायम है।वरुण धवन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बेबी जॉन' ने सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। ऑफिस पर बुधवार को कैसा प्रदर्शन रहा। फिल्म 'बेबी जॉन' ने पहले दिन केवल 12.50 करोड़ रुपये की कमाई की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का बजट 180 करोड़ रुपये के आस-पास का है। लागत के हिसाब से फिल्म का यह कलेक्शन बेहद खराब है। ओपनिंग डे पर 'बेबी जॉन' 'कलंक' के कलेक्शन को भी मात नहीं दे सकी। साल 2019 में आई इस फ्लॉप फिल्म सबसे अच्छा रहा। क्रिसमस डे के मौके पर फिल्म ने सभी भाषाओं को मिलाकर 14.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म का भारत में कुल कलेक्शन अब 67.85 करोड़ रुपये हो गया है। यह कमाई 'बेबी जॉन' से काफी ज्यादा है। इससे यह साफ है कि फैमिली ऑडियंस ने 'बेबी जॉन' की जगह 'मुफासा' को देखने के लिए ज्यादा तरजीह दी।'पुष्पा 2'

हालांकि, यह फिल्म पहले दिन ही कलेक्शन के मामले में फेल हो गई है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का ओपनिंग डे बिजनेस बेहद निराशाजनक रहा। पहले दिन वरुण अपनी फ्लॉप फिल्म कंलक को भी पीछे नहीं छोड़ सके। इसके अलवा सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही 'मुफासा द लायन किंग' और 'पुष्पा 2' भी वरुण की इस नई फिल्म पर भारी पड़ी। आइए जानते हैं कि इन तीनों फिल्मों का बॉक्स ने 21.6 करोड़ रुपये से अपनी शुरुआत की थी। दिलचस्प बात यह है कि हॉलीवुड फिल्म 'मुफासा' का छठे दिन का कलेक्शन इस फिल्म से ज्यादा रहा। क्रिसमस डे पर फिल्म की कम कमाई 'बेबी जॉन' के मेकर्स के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है।भारत में 'मुफासा द लायन किंग' शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म तेज रफ्तार से 100 करोड़ी क्लब की ओर बढ़ रही है। छठे दिन फिल्म का कलेक्शन का बॉक्स ऑफिस पर कब्जा अब भी बरकरार है। टिकट खिड़की पर इस फिल्म का तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। 21वें दिन फिल्म ने भारत में 1100 करोड़ी क्लब की शुरुआत कर दी। फिल्म ने तीसरे बुधवार को 19.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म की यह कमाई 'बेबी जॉन' की तुलना में काफी अधिक है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 1109 करोड़ रुपये हो गई है।

शादी क्यों नहीं करना चाहतीं श्रुति हासन अभिनेत्री ने आखिरकार कर दिया खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। श्रुति हासन जल्द ही फिल्म 'कुली' में नजर आने वाली हैं। अपनी खूबसूरती से लाखों दिलों पर राज करने वाली श्रुति ने हाल ही में खुलासा किया है कि आखिर वह शादी क्यों नहीं करना चाहती हैं?श्रुति हासन अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनसे शादी को लेकर हमेशा सवाल पूछे जाते हैं। अब अभिनेत्री ने आखिरकार इन सवालों का जवाब दे दिया है। उन्होंने हाल ही में यह साफ किया कि वह शादी के बजाय रिलेशनशिप में रहना पसंद करती हैं।पिंकविला से बातचीत करते हुए जब श्रुति से उनके शादी न करने के बयान के बारे में पूछा गया तो इस पर जवाब देते हुए उन्होंने अपनी स्थिति को फिर से स्पष्ट किया। श्रुति ने कहा, ठमुझे नहीं पता। मुझे रिलेशनशिप बहुत पसंद हैं और मुझे रोमांस भी पसंद है। मैं रिश्ते में रहना पसंद करती हूं, लेकिन किसी से इतना ज्यादा जुड़ना मुझे थोड़ा डराता है।श्रुति ने यह भी कहा कि उनका शादी के प्रति यह दृष्टिकोण उनके व्यक्तिगत विश्वासों पर आधारित है, न कि किसी अतीत के अनुभवों पर। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपने दोस्तों के सफल विवाह देखे हैं, लेकिन इन सकारात्मक उदाहरणों के बावजूद उनका नजरिया नहीं बदला।यह पहली बार नहीं है जब श्रुति ने शादी पर बात की है। एक बार इंस्टाग्राम पर एक प्रशंसक ने उनसे शादी के प्लान के बारे में पूछा तो उन्होंने मजाक में जवाब देते हुए का था, ठयह सवाल पूछना बंद करें।श्रुति ने कुछ समय पहले ही अपने बॉयफ्रेंड संतानु हजारिका से अपना रिश्ता समाप्त किया था। ऐसा कहा जाता था कि दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो श्रुति जल्द ही 'कुली' फिल्म में रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म लोकेश कनगराज निर्देशित कर रहे हैं। इसमें नागार्जुन अक्किनेनी, उपेन्द्र राव, सौबिन शाहिर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा उनके पास बहुप्रतीक्षित 'सालारः पार्ट 2 शौर्यंगा पर्वम' भी है, जिसमें प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम भूमिका में हैं।

भारती सिंह के शो में बिग बॉस के सितारे बिखेरेंगे जलवा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लाफ्टर शेफ सीजन 2 के प्रीमियर की डेट सामने आ गई है, इस शो में ये टीवी सितारे शामिल होने वाले हैं। लाफ्टर शेफ सीजन 2 को लेकर फैंस काफी चर्चा कर रहे हैं। इस शो में फैंस भी बहुत पसंद करते हैं। इस शो में टीवी और बिग बॉस कुछ सितारे नजर आने वाले हैं। शो को भारती सिंह और जज हरपाल सिंह सोखी होस्ट करने वाले हैं। शो के दूसरे सीजन का प्रीमियर जनवरी में होने वाला है। लाफ्टर शेफ सीजन 2 के शो को लेकर बिग बॉस 18 में भारती सिंह ने इस शो के दूसरे सीजन का एलान कर दिया। शो को जनवरी में प्रीमियर किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।